रूड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 33 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) शनिवार, 1 मार्च, 2025 मूल्य ₹ 3.00

संवेदनशील न्याय प्रणाली पर आधारित विकसित भारत के निर्माण को हों प्रतिबद्ध : राष्ट्रपति

ईएमएस

गांधीनगर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में शुक्रवार को गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) का तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 1562 छात्रों को उपाधि प्रदान की। जिनमें 12 छात्रों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी), एक छात्र को डॉक्टरेट ऑफ लॉ (एलएलडी) और अन्य छात्रों को डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा, राष्ट्रपति ने तेजस्वी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एनएफएसयू के तीसरे दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने डिग्री प्राप्त करने में सफल रहे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, "आइए, हम सभी संवेदनशील न्याय प्रणाली पर आधारित विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों।" राष्ट्रपति ने वर्तमान दौर में पूरी दुनिया में बढ़ रहे फोरेंसिक विज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि दुनिया के इस श्रेष्ठ विश्वविद्यालय से आज 15 देशों के 70 से अधिक छात्रों ने भी डिग्री प्राप्त की है। इतना ही नहीं, इस विश्वविद्यालय में सिविल सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, फाइनेंस, बैंकिंग और न्यायपालिका सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लगभग 30,000 अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया है।

उन्होंने कहा कि अपराधियों पर नियंत्रण और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को शीघ्र और सुलभ न्याय दिलाने में एनएफएसयू की भूमिका महत्वपूर्ण है। देश में फोरेंसिक विज्ञान पर आधारित इकोसिस्टम को सदृढ़ करने के लिए मिशन मोड पर काम हो रहा है, इसके लिए राष्ट्रपति ने गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय को बधाई दी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से यह अनुरोध किया कि वे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के माध्यम से त्वरित और सुलभ न्याय प्रक्रिया के लिए अपने ज्ञान का समुचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और त्वरित न्याय आपका लक्ष्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने 1 जुलाई, 2024 को भारत के इतिहास का अति महत्वपूर्ण दिन बताते हुए कहा कि इस दिन दंड के बजाय न्याय पर आधारित तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू किया गया था। जिनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय न्याय संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 शामिल हैं।

15 मार्च तक बीजेपी को मिल जाएगा नडडा का उत्तराधिकारी

ईएमएस

नई दिल्ली। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव 12 राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब 6 और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

शेयर बाजार : सेंसेक्स-निफ्टी खुलते ही धड़ाम

निवेशकों के 6 लाख करोड़ हुए स्वाहा

आरएनएस

मुंबई। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक और मेटल सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.34 बजे सेंसेक्स 840.82 अंक या 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,771.61 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 254.15 अंक या 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,290.90 पर कारोबार कर रहा था। आज की गिरावट में निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूब गए हैं।

निफ्टी बैंक 439.75 अंक या 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,304.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 994.75 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,142 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 320.25 अंक या 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,836.35 पर था।

विशेषज्ञों के अनुसार, बेंचमार्क इंडेक्स के लिए पिछले तीन सेशन कुछ खास नहीं रहे हैं, जैसा कि स्मॉल-बॉडिड कैंडलस्टिक फॉर्मेशन द्वारा संकेत मिला था। कीमत में मामूली बदलाव लगातार मंदी की भावना का संकेत देते हैं, जिससे मार्केट पार्टिसिपेंट्स को सतर्क रुख अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं।

एंजेल वन के तकनीकी और डेरिवेटिव शोध प्रमुख समीत चव्हाण ने कहा, आगे बढ़ते हुए, हमें वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति सतर्क रहना चाहिए, जो घरेलू बाजारों के लिए शुरुआती रुख तय करने में 'कैटालिस्ट' की भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, हमें बाजार में गति लौटने तक आक्रामक दांव लगाने से बचना चाहिए। इस बीच, सेंसेक्स पैक में रिलायंस, आईटीसी, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डाउ जोन्स 0.45 प्रतिशत गिरकर 43,239.50 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.59 प्रतिशत गिरकर 5,861.57 पर और नैस्डैक 2.78 प्रतिशत गिरकर 18,544.42 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, सोल, चीन, जापान, बैंकॉक, जकार्ता और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

भारत-चीन सीमा के पास हिमस्खलन में दबे 57 मजदूर

मुख्यमंत्री धामी ने माणा के पास हुए हिमस्खलन की ली जानकारी

आरएनएस

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के निकट शुक्रवार को भारी हिमस्खलन हुआ है। इस घटना में निर्माण कार्य में जुटे 57 मजदूर बर्फ के नीचे दब गए हैं। गढ़वाल रेंज के आईजी राजीव स्वरूप ने जानकारी दी है कि अब तक 10 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि तीन अन्य को भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सेना के जवानों की मदद से सेना अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। शेष मजदूरों की तलाश के लिए बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में खराब मौसम के कारण संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं, जिससे बचाव कार्यों में कठिनाई आ रही है। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि हिमस्खलन माणा और माणा पास के बीच हुआ है। उन्होंने कहा कि वायुसेना से मदद के लिए अनुरोध किया गया है और सेना, आईटीबीपी के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें भी बचाव कार्य में जुट गई हैं। एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमों को भी घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है।

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, आई.टी पार्क देहरादून पहुंचकर जनपद चमोली के माणा गांव के पास हुए हिमस्खलन के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर हिमस्खलन के बाद रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हिमस्खलन की स्थिति के बारे में भी पूरी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अति शीघ्र घटनास्थल में पहुंचने के निर्देश देते हुए कहा कि घटनास्थल के सबसे समीप स्थित हेलीपैड को अति शीघ्र खोल जाए। जिससे रेस्क्यू अभियान में तेजी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल पर ड्रोन के माध्यम से नजर रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा रेस्क्यू अभियान में हेलीकॉप्टर की भी मदद लेकर रेस्क्यू में तेजी लाई जाए। उन्होंने सभी घायलों को एयर एंबुलेंस के माध्यम से जरूरत पड़ने पर एम्स ऋषिकेश लाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन से निरंतर समन्वय संपर्क कर उन्हें हर संभव मदद करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि जनपद चमोली में हिमस्खलन के बाद लगातार राहत बचाव का कार्य जारी है। आईटीबीपी, सेना, जिला प्रशासन, वायु सेना, सभी लोग बचाव कार्य में लगे हुए हैं। सभी से निरंतर वार्ता जारी है। विजिबिलिटी ना होने के कारण वर्तमान में हेलीकॉप्टर का जाना संभव नहीं है। इस संबंध में स्नो एक्सपर्ट की सेवाएं ली जा रही हैं। आईटीबीपी के लोग घटना स्थल में विशेष रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा हमारी पहली प्राथमिकता श्रमिकों को सुरक्षित निकलना है। सभी लोग अलग अलग स्थानों से हैं, जिसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, केंद्र सरकार से निरंतर संपर्क में है। प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, से भी लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा रेस्क्यू अभियान में किसी भी एजेंसी की आवश्यकता होने पर उनकी मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 10 लोगों को आईटीबीपी अस्पताल पहुंचाया गया है। बर्फबारी जारी है, कई जगहों पर मार्ग अवरुद्ध हो रहा है। कल मौसम खुलने की संभावना है, जिससे रेस्क्यू अभियान में भी तेजी आएगी। सभी रेस्क्यू दल आपस में समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी, औली, गोरसों और नीती व माणा घाटियों सहित ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है। भारी बर्फबारी के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ की मोटी परत जम गई है, जिससे हिमस्खलन का खतरा और बढ़ गया था।

प्रशासन और बचाव दल दबे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बचाव कार्यों में मौसम और संचार सेवाओं की बाधा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग को शीघ्र मिलेंगे 276 चिकित्सक : डॉ. धन सिंह रावत

आरएनएस

देहरादून। सूबे में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को शीघ्र ही 276 नये चिकित्सक मिलेंगे। चिकित्सा अधिकारियों के बैकलॉग के इन पदों के लिये राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड द्वारा भर्ती विज्ञापन जारी कर दिया गया है। जिसके ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 को निर्धारित की गई है। चिकित्सकों के बैकलॉग के इन पदों को भरे जाने से प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी दूर होगी और लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार मिल सकेगा।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में लम्बे समय से रिक्त पड़े चिकित्सकों के बैकलॉक पदों को भरने के लिये राज्य सरकार द्वारा पूर्व में निर्णय लिया था। जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग ने प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के अंतर्गत साधारण ग्रेड चिकित्सा अधिकारियों के 276 पदों को भरने के लिये राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेजा। जिसके क्रम में चयन बोर्ड ने बैकलॉग के इन पदों भरने के लिये भर्ती विज्ञापन जारी कर दिया है।

उन्होंने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों के बैकलॉग के इन पदों में अनुसूचित जाति के लिये 183, अनुसूचित जनजाति 06, अन्य पिछड़ा वर्ग 59, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के तहत दिव्यांगजनों के लिये 04 तथा अनारक्षित श्रेणी के तहत दिव्यांगजनों के लिये 24 पद शामिल हैं। जिस हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया आगामी 11 मार्च 2025 से शुरू हो जायेगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 को निर्धारित की गई है।

डॉ. रावत ने बताया कि बैकलॉग के 276 पदों पर चिकित्सकों की नियुक्ति से विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी दूर होगी और स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

भारत-ईयू साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी यूरोपीय संघ प्रतिनिधिमंडल यात्रा : मोदी

आरएनएस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की भारत यात्रा को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि यह यात्रा भारत-यूरोपीय संघ की बहुआयामी साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, यह न केवल यूरोपीय आयोग की भारत की पहली यात्रा है, बल्कि यह किसी एक देश में यूरोपीय आयोग की पहली व्यापक भागीदारी भी है। इसके अलावा, यह आयोग की अपने नए कार्यकाल की पहली यात्राओं में से एक है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स के साथ, प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर दो दिवसीय भारत यात्रा पर गुरुवार दोपहर नई दिल्ली पहुंची थी। यह ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की पहली भारत यात्रा है। साथ ही दिसंबर 2024 में कार्यभार संभालने वाले नए कमिश्नर्स की यूरोप के बाहर पहली यात्रा है।

> कहा, निवेश संरक्षण और जीआई (भौगोलिक संकेत) समझौते सहित निवेश ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा हुई। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में एक विश्वसनीय और मजबूत निवेश ढांचे पर जोर दिया। हमारी साझा प्रतिबद्धता में सेमीकंडक्टर, एआई और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सहयोग शामिल है।

पीएम मोदी ने कहा, निवेश संरक्षण और जीआई (भौगोलिक संकेत) समझौते सहित निवेश ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा हुई। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में एक विश्वसनीय और मजबूत निवेश ढांचे पर जोर दिया। हमारी साझा प्रतिबद्धता में सेमीकंडक्टर, एआई और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सहयोग शामिल है।

दोनों पक्षों के बीच भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर भी व्यापक चर्चा हुई। इसकी घोषणा सितंबर 2023 में भारत में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।

आईएमईसी में दो अलग-अलग गलियारे शामिल हैं - [भारत को खाड़ी क्षेत्र से जोडने वाला पूर्वी गलियारा और खाड़ी को यूरोप से जोडने वाला उत्तरी गलियारा]। इसका उद्देश्य दक्षता बढ़ाना, लागत कम करना, क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना, व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाना, रोजगार पैदा करना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करना है।

स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और गुणवत्ता में हुआ काफी सुधार : राज्यपाल

संवाद सहयोगी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को राजपुर रोड़ स्थित एक स्थानीय होटल में ष्उत्तराखण्ड हेल्थकेयर इनोवेशन समिटष् के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। स्वास्थ्य विभाग, उत्तराखण्ड और वेलॉक्स मीडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समिट के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह समिट प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को मजबूत करने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास है।

राज्यपाल उत्तराखण्ड की वर्तमान की स्वास्थ्य पहलों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक चुनौतियां हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों, जैसे टेलीमेडिसिन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग के अधिकाधिक प्रयोग से इन चुनौतियों के समाधान किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में टेलीमेडिसिन सेवाओं का विस्तार किया जाना जरूरी है जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध हो सके। उन्होंने इस क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा।

राज्यपाल ने भारत सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य सुधार पहलों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से उत्तराखण्ड को लाभ मिल रहा है और राज्य सरकार इनका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के सभी विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र के भागीदारों से अपील की कि वे मिलकर उत्तराखण्ड में एक मजबूत और समावेशी स्वास्थ्य सेवा ढांचा विकसित करने में सहयोग दें।

इस समिट में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने इस सम्मेलन के माध्यम से प्राप्त होने वाले सुझावों को भी आमंत्रित किया। इस अवसर पर सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए जाने हेतु अपने विचार रखे।

2024-25 के लिए ईपीएफओ ने तय की 8.25 फीसदी ब्याज दर

ईएमएस

नई दिल्ली। ईपीएफओ ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024-25 के लिए ईपीएफओ के बोर्ड ने 8.25 फीसदी ब्याज दर तय की है। इस फैसले का असर सात करोड़ सब्सक्राइबर्स पर पड़ेगा। बता दें इस बात की चर्चा जोरों पर थी कि ब्याज दरों को ईपीएफओ बोर्ड बरकरार रख सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईपीएफओ से जुड़ा फैसले करने वाली सर्वोच्च संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 2024-25 के लिए ईपीएफ ब्याज दर 8.25 फीसदी तय की है। शुक्रवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के फैसले को अब वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाएगा जिस पर अंतिम मुहर लगेगी। पिछले साल फरवरी के महीने में ईपीएफओ ने ब्याज दरो में इजाफा किया था। तब ब्याज ब्याज दर बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दी गई थी। वित्त वर्ष 2022-23 में ईपीएफओ की तरफ से ब्याज दर 8.15 फीसदी तय की गई थी।

ईपीएफ ब्याज दर 2018-19 में 8.65 फीसदी थी। 2019-20 में 8.5 फीसदी, 2021-22 में यह घटकर 8.10 फीसदी हो गई थी। बता दें हाल के वर्षों में ईपीएफओ ने 2015-16 में सबसे ज्यादा ब्याज 8.8 फीसदी ब्याज दिया था। वहीं, 2013-14 और 2014-15 में यह 8.75 फीसदी था। ईपीएफओ ने 2024-25 में 50.8 मिलियन क्लेम को प्रोसेस किया था।

गौमांस के साथ एक युवक दबोचा

हरिद्वार। गन्ने से लदी ट्रैक्टर ट्राली में गौमांस लेकर आ रहे एक युवक को बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गुरुवार देर शाम बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने रुड़की की तरफ से आ रही गन्ने से लदी एक ट्रेक्टर ट्राली रोक ली। ट्राली में सवार एक युवक के कब्जे से बरामद हुए कट्टे से मांस बरामद हुआ। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने युवक की पिटाई कर दी, जिसके बाद सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिसिया पूछताछ में युवक ने अपना नाम गुलशनव्वर पुत्र गुरफान निवासी भोझाहेडी पुरकाजी जिला मुजफ्फरनगर यूपी बताया। बताया कि उसने अपने साथी मरगूब निवासी हलवाहेडी बहादराबाद और इश्तकार निवासी घोडेवाला बढेडी बहादराबाद के साथ एक मिलकर बहादराबाद के जंगल में एक बछड़े का कटान किया था।

वहीं घर के बाहर मौजूद एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिय गया। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। रावली महदूद के रहने वाले नोमान ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर के बाहर मौजूद था। आरोप हैकि इसी दौरान शेरखान पुत्र जमील, रिजवान पुत्र कुरबान, समीर पुत्र समशाद , मुनसेत पुत्र वहीद व कालू पुत्र अय्यूब जरनल पहुंचे, जिन्होंने उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

छात्र-छात्राओं ने मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत की भविष्य की तस्वीर

हरिद्वार। हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज धनौरी में विज्ञान दिवस मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मॉडल के माध्यम से भविष्य की तस्वीर पेश की। इसका शुभारंभ उत्तराखंड मुक्त विवि के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बृजेश बनकोटी और भारतीय उत्थान परिषद के अध्यक्ष डॉ अंकित सैनी ने किया। छात्र-छात्राओं की ओर से मॉडल प्रदर्शित किए गए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुमन देवी और उप प्राचार्य डॉ योगेश कुमार ने मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. दीपमाला कौशिक, डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. तरुण, डॉ. मोहित कुमार, डॉ. संजय कुमार, और डॉ. राहुल देव ने चंद्रयान 3 के वर्किंग मॉडल को पहले स्थान के लिए चुना। कोरोना वायरस और एच आई वी के मॉडल को दूसरा जबकि शुगर रैंबो, शेप क्यूबियोइड माइक्रो ऑर्गेनिसम और वाटर साइकिल के मॉडल को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला। हरिओम सरस्वती पब्लिक स्कूल में भी छोटे-छोटे बच्चों ने पोस्टर के माध्यम से विज्ञान के प्रयोग प्रदर्शित किए।

चिह्नित राज्य आंदोलनकारी समिति ने की

मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल व विधानसभा अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। चिह्नित राज्य आंदोलनकारी समिति ने जिलाध्यक्ष सूर्यकांत भट्ट के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना दिया और सिटी मजिस्ट्रेट के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

राज्यपाल को प्रेषित ज्ञापन में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को अविलंब बर्खास्त करने व विधानसभा अध्यक्ष रितू खंडूरी को भी पद मुक्त करने की मांग की गयी है। धरने को संबोधित करते हुए समिति के मार्गदर्शक पं. उमाशंकर वशिष्ठ ने कहा कि मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल द्वारा सदन में जो कहा गया। वह अत्यंत निंदनीय है। वहीं विधानसभा में बैठे अन्य पर्वतीय मूल के विधायकों द्वारा उनका विरोध न किया जाना गिरती राजनीतिक सोच का परिचायक है। कमला पांडेय ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी का उत्तराखंड की बेटी होकर मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल के कृत्य को अनदेखा कर विरोध करने वाले विधायकों का फटकारना अत्यंत खेद का विषय है। समिति के जिलाध्यक्ष सूर्यकान्त भट्ट ने कहा कि विधानसभा समाज व जनता के सम्मान के रक्षा के लिए होती है न कि उनको अपमानित या अपशब्द कहने के लिए। जिनको अपनी मातृभूमि से प्रेम न हो उनको राज्य छोड़ देना चाहिए। इस दौरान बलबीर सिंह नेगी, भीमसेन रावत, विनोद डंडरियाल, रविन्द्र भट्ट, रोहित प्रताप सिंह, कमला ढोंडियाल, बसंती पटवाल, राधा बिष्ट, यशोदा भट्ट, विमला नैनवाल, साधना नवानी, आनंद सिंह नेगी, सुरेन्द्र सैनी, विष्णु दत्त सेमवाल, चंद्रबल्लभ डंडरियाल व राजेश गुप्ता आदि शामिल रहे।

दरार आने से झुकी सीता घाट की दीवार

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। उपनगरी ज्वालापुर के जटवाड़ा पुल स्थित सीता घाट की दीवार में बड़ी दरार आने से घाट पर स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। दरार आने से घाट की दीवार तिरछी हो गई है। घाट पर लगी टाइल्स भी दीवार झुकने के कारण धंसने लगी है। दीवार के साथ ही घाट पर जाने के लिए सीढ़ीयां बनी हुई है। दीवार गिरने से कभी भी बड़ा हादसा होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। पंडित पंकज शास्त्री ने बताया कि दीवार में बड़ी दरार हो चुकी है और गिरने की हालत में है। श्रद्धालुओं की आवाजाही हर समय घाट पर बनी रहती है। घाट पर मंदिर बना हुआ है। मंदिर में पूजा अर्चना और घाट पर स्नान के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं। दीवार गिरने पर बड़ा हादसा हो सकता है। शासन प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। पंडित मोहित जोशी ने कहा कि ने बताया कि दीवार गिरने का खतरा तो बना ही हुआ है। घाट की सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। पार्क की देखरेख कर रहे कलीराम का कहना है कि दीवार के कारण घाट पर बड़ी दुर्घटना हो सकती है। दीवार के वजन से जमीन भी धंसने लगी है। जिससे घाट के ऊपर के हिस्से में बनी दीवार के साथ बने फर्श की टाइल्स भी टूट रही है। जिससे हर समय दीवार गिरने का खतरा बना रहता है। लोगों द्वारा घाट पर पक्षियों के लिए दाना और अन्य खाने का सामान रखा जाता है। जिस वजह से घाट पर बड़ी संख्या में चूहे हो गए हैं। घाट के आसपास की जमीन चूहों ने जगह-जगह से जमीन खोद दी है।

नए भू कानून में हरिद्वार, यूएसनगर में कड़े प्रावधान के साथ जमीन खरीद को मिलेगी मंजूरी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार के नए भू कानून में दो और शहरों में भी जमीन खरीदना मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही राज्य के 11 जिलों में कृषि, उद्यान की जमीन खरीद पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। इसके साथ ही हरिद्वार, यूएसनगर में कड़े प्रावधान के साथ जमीन खरीद को मंजूरी दी गई है। इस पर गुरुवार को शासन की ओर से स्थिति को और स्पष्ट किया गया। बताया गया कि हरिद्वार, यूएसनगर में बिना शासन की मंजूरी के जमीन नहीं खरीदी जा सकेगी। इस मामले पर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भी बयान सामने आया है। आइए जानते हैं शासन की तरफ से क्या नियम हैं। राज्य में एकबार मंजूरी लेकर जमीन खरीदने का अर्थ ये नहीं होगा कि जमीन खरीदने वाले दूसरे प्रदेश के लोगों को अन्य स्थानों पर भी जमीन खरीद की छूट मिल सकेगी। उत्तराखंड में जिन लोगों, उनके परिवारों के नाम पर वर्ष 2003 से पहले कोई भूमि नहीं है, वे राज्य में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। हरिद्वार, यूएसनगर में भी अब जिले में डीएम की जगह शासन से ही मंजूरी लेनी होगी। सचिव राजस्व एसएन पांडेय ने बताया कि यदि कोई दूसरे प्रदेश का व्यक्ति मंजूरी लेकर एकबार उत्तराखंड में जमीन खरीदता है, तो उसे वर्ष 2003 से पहले की जमीन वाले अधिकार नहीं मिलेंगे। उस पर सख्त भू कानून लागू होंगे। ऐसे में उत्तराखंड के यूएस नगर और हरिद्वार शहरों में भी लोगों के लिए जमीन खरीदना मुश्किल हो गया है। जमीन खरीदने वाले नए कानून पर बात करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए भू कानून लागू किया गया है।

प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की जिला कार्यकारिणी की परिचय बैठक आयोजित

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की नवगठित जिला कार्यकारिणी की परिचय बैठक मध्य हरिद्वार स्थित एक होटल में संपन्न हुई। व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजीव नैय्यर की अध्यक्षता और जिला महामंत्री प्रदीप कालरा के संचालन में संपन्न हुई बैठक में नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सदस्यों के साथ प्रदेश के पदाधिकारी भी शामिल हुए और एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया। बैठक में वक्ताओं ने संगठन के सशक्तिकरण, व्यापारी समस्याओं के निराकरण, आने वाले समय में व्यापारिक कठिनाइयों पर अपने विचार रखें। जिलाध्यक्ष संजीव नैय्यर ने नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि और विजय शर्मा ने कहा कि प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल पूरे प्रदेश में व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने वाला और प्रदेश की छोटी से छोटी व्यापारिक इकाई के व्यापारियों के हितों की चिंता करने वाला एकमात्र व्यापारिक संगठन है। प्रदेश मंत्री राकेश गोयल और राजन सेठ ने कहा कि हरिद्वार के जिला अध्यक्ष और जिला महामंत्री ने समस्त व्यापारी प्रतिनिधियों से चर्चा कर अत्यंत संतुलित और सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने वाली कार्यकारिणी का गठन किया है। इसके लिए वह साधुवाद के पात्र है। उन्होंने यह भी अपेक्षा जताई कि शीघ्र ही जिला कार्यकारिणी उन सभी क्षेत्रों का दौरा कर वहां इकाइयों का पुर्नगठन करेगी। जहां अभी वर्तमान में कोई इकाई सक्रिय रूप से कार्यरत नहीं है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष संजीव नैय्यर ने प्रदेश नेतृत्व को आश्वस्त किया कि हरिद्वार का जिला व्यापार मंडल सदैव व्यापारियों के हितों के लिए हर संभव संघर्ष करने के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने नवगठित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2027 में होने वाले अर्द्धकुंभ को कुंभ की तर्ज पर आयोजित करने का सरकार का निर्णय सराहनीय है। इससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन कंपनियों के कारोबार से व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। सरकार को तरफ ध्यान देना चाहिए। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री सुरेश गुलाटी, कमल बृजवासी, रवि ढींगरा, अभिनव भारद्वाज, प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश भार्गव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश पुरी, मनोज सिंघल, जिला व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष संजय गोयल, युवा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा, तहसील व्यापार मंडल अध्यक्ष राहुल शर्मा, हरिद्वार शहर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पराशर, महामंत्री अमन शर्मा, कोषाध्यक्ष राम अरोड़ा, ज्वालापुर व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन गुप्ता, महामंत्री विकी तनेजा, लक्सर व्यापार मंडल अध्यक्ष अतुल गुप्ता, शिवालिक नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र बिश्नोई, अजय मलिक, बुड्ढी माता व्यापार मंडल अध्यक्ष सत्य प्रकाश अग्रवाल और जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित मौजूद रहे।

कनखल के पार्षदों ने मेयर के साथ बैठक में

सफाई पथ प्रकाश समस्याओं को दूर करने की मांग की

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र के आठ वार्डो के पार्षदों ने नगर निगम की मेयर किरण जैसल के साथ बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की और वार्डो में सफाई व्यवस्था और पथ प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने की मांग की। मेयर किरण जैसल ने सफाई व्यवस्था, पथ प्रकाश व्यवस्था को सुचारू रूप प्रदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। नगर निगम की समस्याओं के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। मेयर किरण जैसल ने बताया कि टोल फ्री नंबर नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं के लिए संचालित किया गया है। सवेरे 7 बजे से रात 10 बजे तक टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। शिकायत का निस्तारण 48 घंटे के अंदर किया जाएगा। मेयर ने कहा कि क्षेत्र की जनता समस्याओं को लेकर सीधे संपर्क भी कर सकती है। किरण जैसल ने पार्षदों को जनहित में समस्याओं को तुरंत हल करने की बात कही। इस दौरान पार्षद सुनील अग्रवाल गुड्डू, परमेंद्र सिंह गिल, सचिन अग्रवाल, एकता गुप्ता, शुभम मंडोला, प्रशांत सैनी, मुकुल पाराशर आदि मौजूद रहे।

एसएमजेएन कालेज में किया कैरम प्रतियोगिता का आयोजन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। एसएमजेएन कालेज में खेलकूद विभाग द्वारा कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में तरूण व शशांक तथा छात्रा वर्ग में मानसी वर्मा व कशिश ठाकुर की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के मुख्य खेलकूद अधीक्षक प्रो. तेजवीर सिंह तोमर ने समस्त टीम को अपनी शुभकामनायें करते हुए बताया कि कैरम प्रतियोगिता छात्रा वर्ग में टीम 1 में बी.ए. षष्टम् सेमेस्टर की छात्रा मानसी वर्मा तथा बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा काशिश ठाकुर, टीम 2 में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा संजना व बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कोमल ने प्रतिभाग किया। छात्र वर्ग में टीम 1 में बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र तरूण व शशांक तथा टीम 2 में बीकॉम. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र सुमित जोशी व बी.एससी. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अर्जुन ने प्रतिभाग किया। खेलकूद अधीक्षक विनय थपलियाल ने समस्त प्रतिभागियों व विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि खेलों से हमारे जीवन में अनेक प्रकार के गुणों का विकास होता है। खिलाड़ियों को डा.संजय कुमार माहेश्वरी, खेलकूद अधीक्षक डा.सुषमा नयाल, खेलकूद प्रशिक्षक कु.रंजीता व मधुर अनेजा, डा.लता शर्मा, डा.रजनी सिंघल, डा.पल्लवी राणा, डा. विनीता चौहान, डा.मोना शर्मा, डा. आशा शर्मा, डा.पुनीता शर्मा, डा.पूर्णिमा सुन्दरियाल, डा.विजय शर्मा, कार्यालय अधीक्षक मोहनचन्द्र पाण्डेय आदि ने भी शुभकामनाएं दी।

वहीं एचईसी कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी लगायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ डीन एकेडेमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल व विभागाध्यक्ष डॉ. कमलकान्त ने दीप प्रज्जवलित कर किया। डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने कहा कि भौतिक विज्ञानी डॉ. सीवी रमन के रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में यह दिवस 28 फरवरी को मनाया जाता है। इस विज्ञान प्रदर्शनी में बीएससी, एमएससी, बीएससी (बायोटैक्नोलॉजी), बीएससी (माइक्रोबॉयोलॉजी), बीएससी ऑनर्स (एग्रीक्लचर) के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्रों ने स्मार्ट एग्रीकल्चर फार्मिंग, अर्थक्विक अलार्म, फायर सेफटी डिवाईस, बैक्टीरिया फॉज, डायलिसिस युनिट, फ्लड अलॉम आदि विज्ञान माडल पेश किए।

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, रामनगर, सलेमपुर रोड, निकट भुमिया खेड़ा, रुड़की–247667

कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UR2001SGC025867

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना

खण्ड के अन्तर्गत आने वाले समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, विद्युत का अवैध प्रयोग रोकने हेतु निम्नानुसार अंकित दिनांकों में नये संयोजन निर्गत करने सम्बन्धी कार्यवाही की जायेगी। इस संदर्भ में जिन उपभोक्ताओं ने अपने संयोजन स्वीकृत नहीं कराये है वे भी अपने संयोजन नियमानुसार आवेदन पत्र देकर स्वीकृत करा लें, इसके साथ-साथ विद्युत देयों की वसूली करने हेतु बकायेदारों के संयोजनों का प्रभावी विच्छेदन एवं गलत बिलों को ठीक करने आदि की कार्यवाही भी की जायेगी।

विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु निम्नलिखित तिथियों में उनके सम्मुख लिखे स्थानों, विद्युत उपस्थानों पर शिविर आयोजित किये जा रहे है। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि, अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने संयोजनों का बकाया भुगतान करे, तथा विद्युत विच्छेदन से होने वाली परेशानी से बचें।

शिविर अवधि माह 03/2025

क्र० सं०	दिनांक	स्थान		
		उपखण्ड– हिमालयन एस०डी०ओ० श्री पंकज गौतम– 9411142775	उपखण्ड– रामनगर द्वितीय एस०डी०ओ० श्री पंकज गौतम –9412073095	उपखण्ड–रामनगर प्रथम एस०डी०ओ० श्री ओमपाल– 9412073406
		जेई श्री सुनील– 9411142776	जेई श्री सुखपाल– 9412073089 / जेई श्री मरूर आलम– 9411501090	जेई श्री आशिफ– 9808463133 / जेई श्री रोबिन कुमार– 8534991681
1	01.03.2025	मोहनपुरा डबल फाटक/ढण्डेरा	रहीमपुर/पनियाला बिजलीघर/सफरपुर	रामपुर/पुरानी तहसील
2	02.03.2025	ढण्डेरा /मौहम्मदपुर गेट	पनियाला/पनियाला बिजलीघर/इब्राहिमपुर	द्वारिकाधीश मन्दिर/पुरानी तहसील
3	03.03.2025	मिलापनगर/ढण्डेरा	कुल्हपुर/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	आवास विकास/पुरानी तहसील
4	04.03.2025	पाडली/ढण्डेरा	लाठरदेवा/पनियाला बिजलीघर/सालियर	आजाद नगर/पुरानी तहसील
5	05.03.2025	मौहम्मदपुर गेट/ढण्डेरा	कुल्हपुर/पनियाला बिजलीघर/रसूलपुर	सुनहेरा/पुरानी तहसील
6	06.03.2025	तोंसीपुर/ढण्डेरा	हरजौली/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	लाल चौपाल/पुरानी तहसील
7	07.03.2025	आसफनगर/ढण्डेरा	बिलिपुर/पनियाला बिजलीघर/सलेमपुर	रामपुर/पुरानी तहसील
8	08.03.2025	मौहम्मदपुर गेट/ढण्डेरा	रहीमपुर/पनियाला बिजलीघर/सरकडी	मतलबपुर की पुलिया/पुरानी तहसील
9	09.03.2025	हथियाफल/ढण्डेरा	पनियाला/पनियाला बिजलीघर/माधोपुर	आवास विकास/पुरानी तहसील
10	10.03.2025	तेल्लीवाला/ढण्डेरा	रहीमपुर/पनियाला बिजलीघर/सालियर	चार मिनार मस्जिद/पुरानी तहसील
11	11.03.2025	अशोकनगर टंकी/ढण्डेरा	लाठरदेवा/पनियाला बिजलीघर/सफरपुर	लाल चौपाल/पुरानी तहसील
12	12.03.2025	आदर्श शिवाजी नगर/ढण्डेरा	कुल्हपुर/पनियाला बिजलीघर/इब्राहिमपुर	मतलबपुर की पुलिया/पुरानी तहसील
13	15.03.2025	तोंसीपुर/ढण्डेरा	हरजौली/पनियाला बिजलीघर/सालियर	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील
14	16.03.2025	पाडली/ढण्डेरा	बिलिपुर/पनियाला बिजलीघर/रसूलपुर	रामपुर/पुरानी तहसील
15	17.03.2025	मिलापनगर/ढण्डेरा	रहीमपुर/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	द्वारिकाधीश मन्दिर/आजाद नगर
16	18.03.2025	मौहम्मदपुर गेट/ढण्डेरा	पनियाला/पनियाला बिजलीघर/सलेमपुर	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील
17	19.03.2025	ढण्डेरा/तेल्लीवाला	मखपुर/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	लाल चौपाल/पुरानी तहसील
18	20.03.2025	हथियाफल/ढण्डेरा	पनियाला/पनियाला बिजलीघर/सरकडी	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील
19	21.03.2025	तेल्लीवाला/ढण्डेरा	लाठरदेवा/पनियाला बिजलीघर/माधोपुर	द्वारिकाधीश मन्दिर/आजाद नगर
20	22.03.2025	आसफनगर/ढण्डेरा	लाठरदेवा/पनियाला बिजलीघर/सालियर	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील
21	23.03.2025	अशोकनगर काला स्कूल/ढण्डेरा	कुल्हपुर/पनियाला बिजलीघर/रसूलपुर	रामपुर/पुरानी तहसील
22	24.03.2025	अशोकनगर टंकी/ढण्डेरा	हरजौली/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	द्वारिकाधीश मन्दिर/आजाद नगर
23	25.03.2025	पाडली/ढण्डेरा	बिलिपुर/पनियाला बिजलीघर/सलेमपुर	लाल चौपाल/पुरानी तहसील
24	26.03.2025	ढण्डेरा/मोहनपुरा डबल फाटक	माधोपुर/पनियाला बिजलीघर/सरकडी	आजाद नगर/पुरानी तहसील
25	27.03.2025	मोहनपुर गेट/ढण्डेरा	रहीमपुर/पनियाला बिजलीघर/सरकडी	सुनहेरा/पुरानी तहसील
26	28.03.2025	पाडली/ढण्डेरा	पनियाला/पनियाला बिजलीघर/सालियर	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील
27	29.03.2025	ढण्डेरा/मोहनपुर गेट	लाठरदेवा/पनियाला बिजलीघर/इब्राहिमपुर	द्वारिकाधीश मन्दिर/लाल चौपाल
28	30.03.2025	तेल्लीवाला/ढण्डेरा	माधोपुर/पनियाला बिजलीघर/सरकडी	लाल चौपाल/पुरानी तहसील
29	31.03.2025	हथियाफल/ढण्डेरा	हरजौली/पनियाला बिजलीघर/शाहपुर	रामनगर एस०टी०/पुरानी तहसील

"विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाए"

पत्रांक 1020/वि0वि0ख0रा0रू0/ दिनांक 28/02/2025

अधिशासी अभियन्ता

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" टोल फ्री नं0 1800–419–0405

खाद्य सुरक्षा की टीम ने दुकानों से लिए सैंपल

रुड़की। होली पर्व पर मिलावट के खिलाफ खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन हरिद्वार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेन्द्र पाण्डेय ने शहर की अलग-अलग दुकानों का निरिक्षण किया। कुछ दुकानों से सैम्पल लेते हुए जांच के लिए लैब भेजे गए। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेंद्र पांडे ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राजेश कुमार के निर्देशानुसार यह अभियान चलाया जा रहा है। ताकि कोई दुकानदार मिलावटी खाद्य सामग्री ना बेच सके। उन्होंने बताया की रुड़की तहसील के अन्तर्गत विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर होली में बनने वाले खाद्य पदार्थों गुजिया, मैदा, सूजी, पापड़, चिप्स, मिल्क आदि का सैम्पल राज्य प्रयोगशाला में जांच के लिए लिया गया। उन्होंने बताया की राज्य खाद्य विश्लेषणशाला से रिपोर्ट आने पर विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

पत्रकारों से वार्ता के दौरान बोले पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत

सरकार के एजेंडे में नहीं हैं किसान और मजदूर

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। उत्तराखंड सरकार किसान मजदूर विरोधी है और उनके एजेंडे में यह शामिल नहीं है। उक्त बात पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। इसके साथ ही उन्होंने यूसीसी को उत्तराखंड की संस्कृति पर प्रहार बताया और कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के बयान को राज्य की मूलभावना पर चोट करने वाला कहा।

दिल्ली रोड स्थित एक होटल में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा किसान मजदूर सरकार के बजट में ही है लगातार सरकार उनकी अनदेखी और उत्पीड़न पर उतारू है। गन्ने का सीजन समाप्त होने को लेकिन अब तक गन्ने का मूल्य घोषित नहीं किया गया। कहा कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा प्रदेश में अन्य प्रदेशों से ज्यादा गन्ना मूल्य दिया है। उन्होंने कहा कि बाजारों में चीनी के मूल्य बढ़े हैं लेकिन गन्ने का खरीद मूल्य नहीं बढ़ रहा उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य 450 रुपए प्रति क्विंटल होना चाहिए। वहीं रावत ने कहा कि इकबालपुर मिल से पैसे दिलवाने की योजना सरकार को बनानी चाहिए और वर्षों से बकाया भुगतान को चार पांच सालों में किस्तों के माध्यम से दिलवाए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार दो चीनी मिलों को बंद किए जाने का षड्यंत्र कर रही है जिसमें इकबालपुर और डोईवाला शामिल है। इनके बंद होने से किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा और एक मिल की मनमानी किसानों पर चलेगी। वहीं यूसीसी के सवाल पर उन्होंने कहा यूसीसी उत्तराखंड की संस्कृति पर प्रहार है यह हमारे संस्कारों को खत्म करने का काम करता है। यह सनातन की संस्कृति और संस्कारों पर हमला है सनातन धर्म कभी लिव इन रिलेशनशिप जैसी कुरीतियों को मान्यता नहीं देता। इसके साथ ही रावत ने कहा प्रेमचन्द अग्रवाल का बयान राज्य की मूलभावना पर चोट करता है। उत्तराखंड विरोधी बयान है जो कि प्रदेश की एकजुटता को खत्म करने का काम करता है।

वहीं हरीश धामी के बयान पर उन्होंने कहा कि उनके बयान को काट छांट कर भाजपा ने पेश किया है क्योंकि भाजपा अपने मंत्री को बचाना चाहती है इसलिए कांग्रेस विधायकों को बदनाम कर रही है। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, विधायक फुरकान अहमद, विधायक काजी निजामुद्दीन, पूर्व राज्यमंत्री गौरव चौधरी, राव शेर मोहम्मद, श्रीगोपाल नारसन, प्रणय प्रताप सिंह, आदित्य राणा, मेलाराम प्रजापति, पंकज सैनी, सेठपाल परमार आदि उपस्थित रहे।

युवाओं को दिलाई आजाद समाज पार्टी की सदस्यता

रुड़की। आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को बैठक कर लोगों को पार्टी की रीति नीति बताई। कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

वक्ताओं ने कहा कि आने वाला समय आजाद समाज पार्टी का है। प्रदेश और देश में आजाद समाज पार्टी के सहयोग के बिना सरकार नहीं बन पाएगी। रुड़की तहसील के बढेडी राजपुतान में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह ने कहा कि आज लोगों को एकजुट होकर ऐसे लोगों के खिलाफ लड़ाई लड़नी है जो धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा कांग्रेस की नीतियों से तंग आ चुके हैं। तीसरे विकल्प के रूप में आजाद समाज पार्टी को चुनने के लिए तैयार हैं।

आईआईटी और बीएमसी के बीच हुआ समझौता

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की व भुवनेश्वर नगर निगम ने आधिकारिक तौर पर भुवनेश्वर शहरए ओडिशा के लिए एक व्यापक तूफानी जल प्रबंधन योजना को सहयोगात्मक रूप से विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल शहर में तूफानी जल प्रबंधन को आगे बढ़ानेए शहरी लचीलापन बाढ़ के जोखिमों को कम करने और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों के खिलाफ शहरी बुनियादी ढांचे को भविष्य के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आईआईटी रुड़की एवं भुवनेश्वर नगर निगम ;बीएमसी के बीच समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी कुलशासक स्रिक आईआईटी रुड़की व राजेश प्रभाकर पाटिल आईएएसए आयुक्त बीएमसी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना का नेतृत्व आईआईटी रुड़की के जल विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एचएजी प्रोफेसर डीएस आर्य करेंगे। इस सहयोग का उद्देश्य भविष्य के जलवायु परिवर्तन प्रभावों और 2050 तक जनसंख्या वृद्धि अनुमानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भुवनेश्वर की बाढ़ चुनौतियों के लिए टिकाऊए डेटा. संचालित समाधान प्रदान करने के लिए एक एकीकृत जल निकासी मास्टर प्लान और एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर विकसित करना है। हस्ताक्षर समारोह में ओडिशा सरकार के आवास एवं शहरी विकास विभाग के मंत्री डॉ कृष्ण चंद्र महापात्रा और भुवनेश्वर की महापौर श्रीमती सुलोचना दास सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अन्य उल्लेखनीय लोगों में डॉ एन थिरुमाला नाइक आईएएस भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्षय डॉ कमला लोचन मिश्रा, आईएएसए कार्यकारी निदेशक, ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणय बिरंची नारायण महासुपाकर,ख अध्यक्ष स्वच्छता स्थायी समितिय बिलाश कुमार बेहरा, आईआईटी रूड़की प्रोफेसर डीएस आर्य, प्रोफेसर जल विज्ञान विभाग आईआईटी रूड़की उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने सतत शहरी विकास एवं तकनीकी नवाचार के लिए साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह साझेदारी भुवनेश्वर की बाढ़ प्रबंधन चुनौतियों का समाधान करने के लिए जमीनी विशेषज्ञता और उन्नत तकनीक को साथ लाती है। यह परियोजना सटीक मानचित्रण और डेटा अधिग्रहण के लिए ड्रोन मैपिंग टोटल स्टेशन टीएस और डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम डीजीपीएस जैसी डेटा संग्रह के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाएगी।

रबर फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। हरिद्वार जिले के रुड़की में एक रबर फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पाकर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि फैक्ट्री में लगी इस आग की घटना से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। फिलहाल दमकल की टीम आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक हरिद्वार जिले के रुड़की में एक रबर फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। मनीष जैन निवासी दिल्ली की रुड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक रबर की फैक्ट्री है. बताया गया है कि इस फैक्ट्री में टायरों के ऊपर चढ़ने वाली लेयर बनाई जाती है। शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे फैक्ट्री में अचानक आग लग गई और धुंआ निकलने लगा. किसी शख्स ने देखा कि फैक्ट्री के अंदर से धुंआ निकल रहा है। इस पर उसके द्वारा अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी गई।

दमकल को आग बुझाने में छूटे पसीने: फैक्ट्री में आग लगता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया. इसी बीच आग लगने की जानकारी किसी ने दमकल विभाग को दे दी। सूचना मिलते ही तत्काल दमकल कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

4 घंटे बाद आग पर पाया गया काबू: आग इतनी भयंकर थी कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियों को बुलाना पड़ा. तब जाकर दमकल कर्मियों द्वारा करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग से फैक्ट्री का पूरा सामान जल गया। आग से वहां पर अफरा तफरी रही। अग्निकांड की इस घटना के बारे में अग्निशमन अधिकारी सुंदर पाल ने बताया कि आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन फैक्ट्री जलकर राख हो गई है। आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगाने के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

जल विद्युत परियोजनाओं के विकास में आईआरआई का अहम योगदान

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। सिंचाई अनुसंधान संस्थान रुड़की में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर वक्ताओं ने सीवी रमन के भौतिकी में दिए गए योगदान और उनके शोध कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में संस्थान के मुख्य अभियंता एवं निदेशक और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधीर कुमार ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक स्तर पर युवाओं को सशक्त बनाने, वैज्ञानिकों और अभियंताओं से जनहित के गुणवत्तापरक शोध , परीक्षण और निर्माण कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि आजादी के पूर्व से ही सिंचाई अनुसंधान संस्थान रुड़की देश विदेश की विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं, सिंचाई परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन व निर्माण कार्यों की सामग्री गुणवत्ता परीक्षण आदि के माध्यम से विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि देशभर के विभिन्न तकनीकी शिक्षण संस्थानों के छात्र प्रत्येक वर्ष इस संस्थान से अपना तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

वैश्य समाज की छवि खराब करने वाले पर हो कार्रवाई

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। पहाड़ी मैदानी विवाद में घिरे कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के समर्थन में अब वैश्य समाज खड़ा हो गया है। समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भेजा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल व वैश्य समाज को बदनाम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सतेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में तहसील पहुंचे वैश्य समाज के लोगों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कहा कि वैश्य समाज से उत्तराखंड से एक मात्र कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल को कांग्रेस के विधायक व नेताओं द्वारा अनुचित रूप से टारगेट किया जा रहा है। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर वैश्य समाज के लिए भी अपशब्द लिखे जा रहे है। जो कि गलत है और वैश्य समाज रुड़की इसकी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज के लोग सरल सौम्य व्यवहार रखते है और सभी वर्गों में सामंज्य के साथ सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते है। युवा अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पंकज सिंघल ने कहा हमारे लिए उत्तराखंड हमारा घर है और यहाँ निवास कर रहे सभी समाज के लोग हमारे परिवार के सदस्य है परंतु बीते दिनों से देखा गया है की कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उत्तराखंड को बाँटने का काम किया गया है। पहाड- मैदान की राजनीति की जा रही है जो कि असहनीय है हम लोगो के लिए। इस प्रकार की राजनीति से प्रदेश में गलत भावना उत्पन होगी जो प्रदेश के लिए ठीक नही होगी। इस मौके पर युवा अग्रवाल सभा के महामंत्री नवनीत गर्ग,अग्रसेन सभा चौक के अध्यक्ष राकेश गर्ग, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पूर्व नगर अध्यक्ष नितिन गोयल, पार्षद राजन गोयल, भाजपा रामनगर मंडल अध्यक्ष सुमित अग्रवाल, पार्षद राकेश गर्ग, अभिषेक चंद्रा, सागर गोयल, आदर्श गुप्ता, सावित्री मंगला, निखिल तायल, विभोर अग्रवाल, शुभम गोयल आदि उपस्थित रहे।

कलियर विधायक ने किया 55 लाख से बनने वाली सड़क का शुभारंभ

क्षेत्र की जनसमस्याओं का हल करना पहली प्राथमिकता

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। विधायक हाजी फुरकान अहमद ने शुक्रवार को कलियर विधानसभा के गांव हलवाहेड़ी में मरगुबपुर वाले रोड तक राज्य योजना से करीब 55 लाख 85 रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग टाईलों से बनने वाली सड़क का फीता काटकर शुभारंभ किया।

पिरान कलियर विधायक हाजी फुरकान अहमद ने बताया कि राज्य योजन से हलवाहेड़ी से मरगुबपुर तक करीब 55 लाख 85 हजार रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग टाईल से बनने वाली सड़क बनने जा रही हैं।यह सड़क जर्जर हो चुकी थी।गांव के लोंगो को आने जाने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही थी।उनकी प्रथमिकता क्षेत्र का विकास कराना हैं।उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में करीब 3 करोड़ से अधिक की लागत की सड़कों की भी स्वीकृति मिल गई है।जल्द ही उनके भी निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। सभी लोगों की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अधिकांश गांवों के सभी मार्गो को दुरुस्त कराया जा रहा हैं।विधायक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की जो समस्याएं है।उन्हें भी जल्द दूर करने का प्रयास करेंगे।इस मौके पर तहसीन प्रधान, साहिल राणा,इकबाल प्रधान,अब्बास, हक्कम अली आदि मौजूद रहें।

प्रतियोगिता में डायट के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर डायट प्रिंसिपल और जिला समन्वयक सुरेश चंद्र द्वारा एक भव्य आयोजन का आयोजन किया गया। इस समारोह में दो प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विज्ञान सेमिनार और विज्ञान क्विज प्रतियोगिता। विज्ञान सेमिनार में डायट के छात्रों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के छात्रों ने भी भाग लिया। इस सेमिनार में छात्रों ने विज्ञान के महत्व और इसके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। बीएमएल मुंजाल ग्रीन मेडोज स्कूल के छात्रों सतविक तिवारी और अभिनव ने पहले और दूसरे स्थान पर कब्जा किया, जबकि तीसरे स्थान पर राबिया (जीएचएसएस) ने सफलता प्राप्त की।

विज्ञान क्विज प्रतियोगिता: विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में दो राउंड का आयोजन किया गया। पहले राउंड में लिखित परीक्षा ली गई, इसके बाद चार टॉप टीमों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल राउंड में बीएमएल मुंजाल ग्रीन मेडोज स्कूल के छात्रों सतविक तिवारी और अर्चित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर हरंभ और अनघ रहे, जबकि तीसरे स्थान पर व्योम और अनुराग अटल उत्कृष्ट की जोड़ी ने अपनी जगह बनाई।इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें प्राचार्य डायट कैलाश डंगवाल, सुशील कुमार, रविंद्र ममगाई, बिंदेश्वरी तिवारी, अनिल धीमान, श्रीमती अनिता नेगी, और श्रीमती प्रेरणा, राजीव आर्य, वैष्णव कुमार, जान आलम ने अपने बहुमूल्य समय से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

युवा विज्ञान और नवाचार को आगे आएं

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर बादशाही टिहरी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का एसआरटी परिसर के निदेशक प्रो एए बौड़ाई, प्रो आरसी रमोला, डा केसी पेटवाल, डा दिलीप राणा व प्रो पीडी सेमल्टी से संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो बौड़ाई ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्रों की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए युवा नवाचार व विज्ञान में आगे आयें। संगोष्ठी के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिकूल मौसम होने के बावजूद उन्होंने व छात्र-छात्राओं द्वारा इसमें अपनी रुचि दिखाकर प्रतिभाग किया है। कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उपलब्धियों के बारे में सजग बनाना ही मुख्य उद्देश्य है। यहां पर विज्ञान के छात्र-छात्राओं की अत्यधिक संख्या यह बताती है कि विज्ञान के प्रति उनकी रुचि बढ़ रही है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक प्रो आरसी रमोला ने कहा कि भारत के महान वैज्ञानिक सीवी रमन ने 28 फरवरी 1928 को रमन प्रभाव की खोज की थी। जो प्रकाश के प्रसार के दौरान उसके तरंगदधैर्य में परिवर्तन की एक प्रक्रिया है। इस खोज ने भौतिकी के क्षेत्र में एक नई युग की शुरुआत की और रमन को 1930 में भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वैज्ञानिक सोच छात्रों में पैदा करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को संपूर्ण देश में मनाया जाता है। प्रो डीके शर्मा ने रमन के विज्ञान के क्षेत्र में के विभिन्न योगदानों के बारे में छात्र-छात्राओं को अहम जानकारी दी। संगोष्ठी के आयोजक सचिव डा दिलीप मीणा, डा सुब्रतो बनर्जी, डा प्रिया राय चौधरी ने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को बताया कि 60 से ज्यादा विभिन्न द्रव्यों पर प्रयोग दोहराने के बाद या सुनिश्चित हो गया है, कि सभी द्रव रमन स्पेक्ट्रम दर्शाते हैं और द्रव बदलने से केवल उसमें प्रकीर्णन स्पेक्ट्रमी रेखा का रंग बदलता है तथा भौतिक वेदों का प्रभावी औजार शुरुआती दौर में रमन प्रभाव का उपयोग भौतिक विद्रोह तथा शोध अधिनियम में किया जाता रहा है। भौतिक विज्ञान के प्रो पीडी सेमल्टी ने छात्रों से वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। संगोठी से पूर्व 27 फरवरी को विज्ञान दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिसमें पोस्टर में समीक्षा बिष्ट प्रथम, दिव्या द्वितीय व वासु कुमार तृतीय रहे। वाद विवाद में आस्था प्रथम व अनमोल द्वितीय रहे, मॉडल में सनी कुमार प्रथम, आकाश द्वितीय तथा साइंस टॉक में अंशुमन अन्थवाल प्रथम व सृष्टि द्वितीय रहे। प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृतिचिह्न व पुस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रो एबी थपलियाल, डा शिवानी, डा मनोज, डा शंकर, डा यूएस नेगी, डा हेमराज, डा सुमन, डा नीरज, डा हंसराज विष्ट, डा दिनेश आदि मौजूद रहे।

वनाग्नि की सूचना समय पर नहीं देने पर बीट अधिकारी की जवाबदेही होगी तय

पौड़ी। वनाग्नि रोकथाम तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बैठक लेते हुए अफसरों को वनाग्नि के प्रति जागरूकता को लेकर जनपद भर में अभियान चलाने के निर्देश दिए। कहा कि वनाग्नि की सूचना समय पर कंट्रोल रूम तक नहीं पहुंचाने पर संबंधित बीट अधिकारी की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। वनाग्नि रोकथाम संबंधित बैठक में डीएम ने खंड विकास अधिकारियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों व संबंधित विभागाध्यक्षों को वनाग्नि के प्रति व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीएम ने वन विभाग के अफसरों को सात दिन में वनाग्नि की दृष्टि से चिन्हित 47 संवेदनशील स्थलों की माइक्रो लेवल प्लान प्रस्तुत करने को कहा। कहा कि वन विभाग के संबंधित फॉरेस्ट गार्ड द्वारा यदि सैटेलाइट इमेज प्राप्त होने से पहले वनाग्नि की सूचना नहीं दी जाती है तो ऐसी स्थिति में संबंधित क्षेत्र के फॉरेस्ट गार्ड, बीट अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। वनाग्नि के दौरान ड्रोन के सदुपयोग को लेकर जिलाधिकारी ने आपदा व वन विभाग के ड्रोन ऑपरेटरों को प्रशिक्षित करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने शिक्षा व वन विभाग को वनाग्नि के दृष्टिगत जंगल से सटे वाले स्कूलों की सूची बनाने, वनाग्नि की रोकथाम के लिए शीतलाखेत मॉडल नासा के रिसर्च डेटा पर वन विभाग द्वारा अब तक किए गए कार्यों की रिपोर्ट देने को कहा। बैठक में डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन सिंह, रेखा आर्य, प्रशिक्षु पीसीएस कृष्णा त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

हाईवे पर गिरे पत्थर जेसीबी से हटाए

नई टिहरी। बारिश के कारण सुरकंडा माता मंदिर से धनोल्टी के मध्य हाईवे पर पत्थर गिरे। जहां पर दोपहर में जेसीबी मशीन सड़क की सफाई के लिए लगाई गई और राजमार्ग को साफ करने काम किया गया। हाईवे देव प्रयाग के निकट दोपहर में आधे घंटे के लिए बंद हुआ। जिसे दोहपर में जेसीबी मशीन लगाकर सुचारू किया गया। आपदा प्रबंधन विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि बारिश के कारण शांति कुंज में एक पुश्ता ढहने की सूचना है। जिससे एक बिजली के पोल को नुकसान की उम्मीद है। जिसे लेकर सम्बंधित विभाग को कार्यवाही के लिए अवगत कराया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि बारिश के चलते अलर्ट जारी करते हुए स्थानीय प्रशासन व आपदा प्रबंधन की टीम को अलर्ट मोड़ पर रखा गया है।

विधिक जागरूकता शिविर में आमजन को दी कानूनों की जानकारी

संवाद सहयोगी

श्रीनगर। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देश पर श्रीनगर न्यायालय परिसर श्रीनगर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तालुका विधिक सेवा समिति एवं स्थायी लोक अदालत जैसी विधिक संस्थाओं के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिविर में मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2022 के प्रावधानों, गरीबी उन्मूलन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक सेवाएं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ितों के लिए कानूनी सेवाएं एवं नशीली दवाओं के खतरे के उन्मूलन योजना की विस्तृत जानकारी दी। शिविर में बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के सदस्य अर्जुन सिंह भंडारी, संरक्षक अनूप पांथरी, अध्यक्ष प्रमेश जोशी, ब्रह्मानन्द भट्ट, प्रदीप मैठानी, सहायक अभियोजन अधिकारी अर्पणा अवस्थी, विकास पंत, विकास कैठेत, भूपेंद्र पुंडीर, नितेश भारती, देवी प्रसाद खरे, कविता मेवाड़, विवेक जोशी, सूरज किमोठी, सोनाली जैन, सुधीर उनियाल, आनंद सिंह बुटोला, पीएलवी सदस्य पूनम हाटवाल, मानव बिष्ट, प्रियंका राय, प्रकाश नेगी आदि मौजूद थे।

भौगोलिक आधार पर हो विधानसभाओं का पुनर्गठन

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी के उस वक्तव्य का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने उत्तराखंड में विधानसभा और लोकसभा सीटों का परिसीमन क्षेत्रफल के अनुसार किए जाने की बात कही है। उपाध्याय ने कहा कि राज्य में विधानसभा की 101, लोकसभा की 11 और राज्यसभा की 5 सीटें होनी चाहिए। विधानसभा सीटों में भी पहाड़ प्रतिनिधित्व ज्यादा हो। शुक्रवार को पत्रकार वार्ता करते हुए विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि वह 2004 से उत्तराखंड में परिसीमन को भौगोलिक आधार पर करने की वकालत करते आए हैं। इसके लिए उन्होंने अपने तत्कालीन साथियों के साथ सर्वपक्षीय बैठक भी की थी। लेकिन पहाड़विरोधी कुछ लोगों ने उस वक्त विधानसभा सत्र चलने नहीं दिया, जिससे प्रस्ताव तत्कालीन केंद्र सरकार को नहीं भेजा जा सका। कहा कि उत्तर-पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों की भांति उत्तराखंड में पलायन आयोग परिसीमन को भौगोलिक आधार पर करे। उत्तराखंड का सामरिक महत्व के साथ ही देश-दुनिया के लिए अगल स्थान हैं। हाल ही में खत्म हुए महाकुंभ के आयोजन में उत्तराखंड और खासकर टिहरी की सबसे बड़ी भूमिका रही। 200 क्यूमेक्स पानी प्रतिदिन टिहरी बांध से प्रयागराज महाकुंभ के लिए दिया गया। टिहरी बांध से ही दिल्ली को पेयजल सहित कई राज्यों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है। ऐसे में पहाड़ी क्षेत्रों की हर स्तर पर पैरवी हो। सभी विधायकों और सांसदों से उत्तराखंड में भौगोलिक आधार पर सीटों के परिसीमन के लिए एकमत होने की अपील की। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल की ओर से पहाड़ के खिलाफ की गई बयानबाजी पर विधायक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को भाषा संयमित रखनी चाहिए, बजाए इस पर उलझने के विकास में ध्यान दें।

टीचर लर्निंग सेंटर में संकुल पांगरखाल की बैठक हुई

नई टिहरी। टीचर लर्निंग सेन्टर बौराड़ी में संकुल पांगरखाल की मासिक अकादमिक अनुसमर्थन कार्य-योजना तृतीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संकुल के 14 प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कक्षा -4 भाषा में (मुफ्त ही मुफ्त) नामक पाठ में सुमन प्रकाश बडोनी, कक्षा 5 अंग्रेजी में (मालू भालू) नामक पाठ में रेनू पुण्डीर, कक्षा 4 गणित (खेत और बाढ़) नामक पाठ में उषा रावत, स्मार्ट चार्ट में सुन्दर लाल बेलवाल, कक्षा 3पर्यावरण अध्ययन (कपड़ा कैसे सजा) नामक पाठ में तस्लीमा खातून ने सीखने के प्रतिफलों के दृष्टिगत माह फरवरी में कक्षा- कक्ष में किये गये सर्वोत्तम शिक्षण अभ्यासों का प्रशिक्षण दिया।

प्रेम चंद को मंत्री पद से हटाने की मांग

संवाद सहयोगी

चमोली। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा गत दिनों विधान सभा बजट सत्र के दौरान पर्वतवासियों पर की गयी कथित टिप्पणी का विवाद थम नहीं रहा है। इस संबंध में विभिन संगठनों की शुक्रवार को गढ़वाल मंडल विकास निगम आवास ग्रह में बैठक हुयी, जिसमें धामी सरकार से पहाड़वासियों पर की गयी कथित अभ्रद टिप्पणी आलोचना की गयी। साथ ही काबिना मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग करते हुये ऐसा न होने पर आगामी 6 मार्च को ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में जन आक्रोश रैली निकालने का अल्टीमेटम उप जिला अधिकारी के माध्यम से सीएम पुष्कर सिंह धामी को प्रेषित किया गया है। बताया गया कि श्री रामगंगा टैक्सी यूनियन,महिला सशिक्तकरण, प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल, चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संगठन,कांग्रेस पार्टी, यूकेडी, उपपा,गुरिल्ला आदि कई संगठनों का उन्हें समर्थन प्राप्त हुआ है। इस मौके पर बार संघ गैरसैंण के अध्यक्ष केएस बिष्ट, गैरसैंण स्थाई राजधानी निर्माण समिति अध्यक्ष नारायण बिष्ट, पूर्व दर्जाधारी सुरेश बिष्ट, गैवाड़ संर्घष समिति अध्यक्ष गजेन्द्र नेगी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष दान सिंह नेगी, निर्वतमान क्षेपं सदस्य वीरेन्द्र लाल व परिर्वतन पार्टी के जसवंत बिष्ट,यूकेडी ब्लॉक अध्यक्ष रणजीत शाह शामिल रहे।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। समापन समारोह में आईआईएम काशीपुर के इनक्यूबेशन सेंटर ने पांच लाख की सहायता राशि प्राप्त करने वाली छात्रा जैनब को सम्मानित किया गया। जैनब की इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी टिहरी मयूर दीक्षित, टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी, एएसपी जेआर जोशी व महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो पुष्पा नेगी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सभी अतिथियों ने कॉलेज के उद्यमिता केंद्र की अब तक की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया और भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। अतिथियों को महाविद्यालय की उद्यमी छात्राओं द्वारा निर्मित ऐंपण पेंटिंग की नाम पट्टी भेंट की गई। डीएम दीक्षित ने छात्रों के स्टाल का विजिट किया और छात्रों को उद्यम के लिए सुझाव भी साझा किए गए। टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक ने उद्यमिता केंद्र के वेस्ट से वेल्थ के कॉन्सेप्ट पर निर्मित विभिन्न उत्पादों को सराहा और अपने संस्थान से भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो पुष्पा नेगी ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों को सराहते हुए महाविद्यालय स्तर पर अधिक से अधिक सुविधायें प्रदान करने का आश्वासन दिया। बारह दिवसीय कार्यक्रम का सफल संचालन करने वाली देवभूमि उद्यमिता योजना की मेंटर डा हेमलता नौटियाल ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने व्यावसायिक विचारों को साझा किया, उद्यम पंजीकरण की प्रक्रिया सीखी और स्थानीय लघु उद्योग इकाइयों का भ्रमण भी किया। अब तक दो पेटेंट भी फाइल किये गये हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने हर्बल साबुन, शैम्पू, ऐंपण कला, वेस्ट से वेल्थ उत्पाद आदि का निर्माण किया।

डीएसओ ने क्रांतिकारी चंद्रशेखर के कार्यों को किया याद

श्रीनगर। ऑल इंडिया डीएसओ ने क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि को शहादत दिवस के रूप में मनाया। डीएसओ की सेंट्रल कॉउंसिल सदस्य रेशमा पंवार ने कहा कि शहीदों ने आजाद भारत में जिस शिक्षा और समाज का सपना देखा था वह आज भी अधूरा है, वर्तमान में बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा प्रणाली एक बहुत बड़े तबके से दूर होती जा रही है। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के राज्य संयोजक डॉ. मुकेश सेमवाल, छात्रा प्रिया कुमारी आदि ने क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के कार्यों को याद किया। मौके पर डीएसओ की नई विश्वविद्यालय कमेटी गठित की गई, जिसमें भानु प्रकाश को अध्यक्ष, राजदीप सचिव, प्रिया और निशा उपाध्यक्ष, अमित महासचिव नियुक्त किये गये।

चमोली की चोटियों पर हुआ हिमपात

संवाद सहयोगी

चमोली। चमोली जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही वर्षा के कारण यहां जन जीवन प्रभावित हुआ है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी जारी है। बदरीनाथ, हेमकुंड रुद्रनाथ में जमकर हिमपात हो रहा है। बदरीनाथ में 2 फिट से अधिक हिमपात शुक्रवार को हुआ। बदरीनाथ, माणा और हनुमान चट्टी से आगे हिमपात जारी है। हिमपात से नीती मलारी बाम्पा गमशाली, द्रोणागिरि, कोसा, फरकिया, मेहरगांव, रैणी सहित क्षेत्र सहित कई गांव बर्फ से प्रभावित हुये हैं। डुमक कलगोंठ, किमाणा, पल्ला जखोला सहित उर्गम घाटी के गांव हिमपात से प्रभावित हुए हैं। पाणा ईराणी समेत निजमूला घाटी के गांव, हरमल चोटिंग, नन्दानगर के सुतोल कनोल, सितेल सहित इलाके के एक दर्जन से अधिक गांवों में शुक्रवार को हिमपात जारी रहा। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नन्दप्रयाग के निकट भूस्खलन क्षेत्र में लगातार पत्थर और मलबा गिरने से यहां पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि जनपद अन्तर्गत निरन्तर हो रही वर्षा एंव मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून के द्वारा जारी पूर्वानुमान के दृष्टिगत आमजनमानस की सुरक्षा को मद्देनजर नंदप्रयाग भू स्खलन जोन से वाहनों का आवागमन शुक्रवार के मध्याह्न 12.30 बजे से एक मार्च की सांय 5 बजे तक तत्काल प्रभाव से प्रतिबन्धित किया गया है। इस अवधि में वाहनों का आवागमन नन्दप्रयाग-कोठियासैंण-चमोली-गोपेश्वर मोटर मार्ग से किया जाएगा।

वहीं शुक्रवार को कर्णप्रयाग में अपर बाजार मार्ग पर बारिश के कारण एक पेड़ गिरने से करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। सूचना पर पुलिस व एसडीआरएफ के जवानों ने मौके पर पहुंचकर वुडन कटर से पेड को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू किया गया। कर्णप्रयाग सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार दोपहर से बारिश जारी रही। ऐसे में शुक्रवार सुबह सुभाषनगर से अपर बाजार जाने वाली सड़क में एक पेड़ उखड़कर गिर गया। इससे पिंडरघाटी व गैरसैंण की ओर से बस स्टेशन जाने वाले वाहनों को आवाजाही में परेशानी हुई और सड़क पर जाम लग गया। हालांकि वाहनों को सुभाषनगर से नीचे वाले रास्ते से भेजा गया। बाद में करीब 10 बजे पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने सड़क पर गिरे विशालकाय पेड़ को हटाकर बाधित यातायात को किया सुचारु किया।

मारपीट के आरोप में तीन लोगों पर केस

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। खेत में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सपन राय पुत्र शिवपद राय निवासी अरविंद नगर रतनफार्म नंबर दो ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 फरवरी की सुबह वह अपने ठेके के खेत में कटी हुई लाही की निगरानी के लिए मेड़ पर बैठा था। उसका मजदूर रजन बक्शी पुत्र निताई वक्शी निवासी अरविंद नगर साफ-सफाई कर रहा था। विष्णु हीरा पुत्र प्रशान्त हीरा, अलेका हीरा पत्नी प्रशान्त हीरा, रूकेश मालाकार पुत्र मिहिर मालाकार निवासी अरविंद नगर रतनफार्म नंबर दो अपने हाथों में धारदार हथियार व लाठी-डंडे लेकर खेत में घुसे और उससे मारपीट की। लाही जलाने और जान से मारने की धमकी दी। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार देर रात मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वहीं नगर में एक जीप चालक शराब के नशे में मिला। पुलिस के मुताबिक निरीक्षक यातायात अय्यूब अली के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान एक जीप का चालक निवासी चमडुंगरा शराब पीकर वाहन चलाते हुए पाया गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर जीप सीज कर दी है। यातायात निरीक्षक ने बताया कि चालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन की कार्रवाई की जा रही है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

मानसखंड विज्ञान केंद्र में धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। महान वैज्ञानिक चंद्रशेखर रमन के जन्मदिवस के रूप में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मानसखंड विज्ञान केंद्र में धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में सीवी रमन को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए याद किया गया। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सभी जनपदवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान का दौर विज्ञान का दौर है। विज्ञान के इस समय में हमें स्वयं को इससे अलग नहीं करना चाहिए। हमें हमेशा वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन देना होगा। हमारे विद्यार्थी अपनी चेतना को विज्ञानोन्मुख रखते हुए अपनी प्रतिभा को निखारें। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अनेक ऐसी महान विभूतियों ने जन्म लिया है, जो हजारों साल पहले ही वैज्ञानिक दृष्टि रखते थे तथा ब्रह्मांड, सूर्य, पृथ्वी के बारे में विस्तृत ज्ञान रखते थे। इसलिए हमें उनका भी अध्ययन करना चाहिए। इस अवसर पर जीबी पंत हिमालय पर्यावरण संस्थान के निदेशक डॉ सुनील नौटियाल, मानसखंड विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ नवीन चंद्र जोशी, आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ ऑबजरवेशनल साइंसेज के डॉ नरेंद्र सिंह ने अपनी अपनी रिसर्च के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान अल्मोड़ा नगर निगम के मेयर अजय वर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार अल्मोड़ा से विनोद राठौर प्रवक्ता एवं नैनीताल के कैलाश चंद्र जोशी को दिया गया। मानसखंड विज्ञान केंद्र में बीते दिवस विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित कराई गई। उन प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान डॉ एसएस सामंत,डॉ धनीराम, डॉ बीपी बिष्ट समेत अन्य उपस्थित रहे।

वहीं राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में खून की जांच के माध्यम से लक्षण विहीन टीबी का पता करने हेतु आइजीआरए टेस्टिंग लैब का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अल्मोड़ा डॉ आर सी पंत एवं प्राचार्य मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा डॉ सीपी भैसोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काट कर विधिवत आइजीआरए लैब का उद्घाटन किया गया। आइजीआरए जांच सामान्य नागरिकों के साथ साथ विशेष रूप से 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों जिनका बलगम नहीं निकलता है उनमें लक्षण विहीन टीबी का पता लगाने हेतु किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉक्टर प्रांशु डेनियल जिला क्षयरोग अधिकारी और डॉक्टर डी सी पुनेरा हेड चेस्ट डिपार्टमेंट मेडिकल कॉलेज, डॉ विक्रांत नेगी माइक्रोबायोलॉजिस्ट माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डॉ रवि सैनी पैथोलॉजिस्ट, चीफ फार्मासिस्ट एच एस परिहार राजकीय टीबी क्लीनिक अल्मोड़ा, आदि उपस्थित थे।

छात्रों को फैक्ट्रियों में उत्पाद की जानकारी दी

रुद्रपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत छात्रों ने औद्योगिक पार्क की ला ओपाला और करम सेफ्टी प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने इन फैक्ट्रियों में बनने वाले उत्पादों के विषय में विस्तृत जानकारी ली। ला ओपाला फैक्ट्री के एचआर पलविन्दर सिंह ने विद्यार्थियों को उत्पाद से संबंधित जानकारियां दीं। प्लांट विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने सैंड को मेल्ट करने की प्रक्रिया के साथ क्रॉकरी में बनने वाली वस्तुओं, उनकी लेबलिंग, स्टिकर प्रिंटिंग, सीलिंग, पैकेजिंग, लोडिंग प्रक्रिया को समझा। करम सेफ्टी प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट हेड हैदर अब्बास और सीनियर मैनेजर मनीष कुमार ने फैक्ट्री में बनने वाले विभिन्न उत्पादों के विषय में विस्तार से बताया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर जीव विज्ञान प्रवक्ता विनोद राठौर सम्मानित

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज, सत्यों में कार्यरत जीव विज्ञान प्रवक्ता विनोद कुमार राठौर को उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा में आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदान किया गया। विनोद कुमार राठौर को यह पुरस्कार विज्ञान के लोकव्यापीकरण और छात्र-छात्राओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतियोगिताओं में लगातार प्रतिभाग कराने के लिए दिया गया। उनके निर्देशन में अब तक 16 से अधिक छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया है। वे वर्षों से जिला समन्वयक विज्ञान और इंस्पायर अवार्ड के जिला समन्वयक के रूप में भी कार्य कर रहे हैं और जनपद के बाल वैज्ञानिकों को लगातार मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी अल्मोड़ा आलोक कुमार पांडे, जनपद अल्मोड़ा के मेयर अजय वर्मा, हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) चंदन सिंह बिष्ट, मानसखंड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा के प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक नवीन जोशी, खंड शिक्षा अधिकारी (लमगड़ा) प्रेमा बिष्ट, भुवन चंद्र पांडे, पंकज जोशी, सवित जनौटी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पुष्कर सिंह भैसोड़ा, प्रधानाचार्य डॉ. राजेश वर्मा, राजेश बिष्ट, संदीप चौधरी, हेमचंद्र जोशी, धीरज कुमार सहित अनेक शिक्षकों और शिक्षिकाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। यहाँ सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अल्मोड़ा आलोक कुमार पांडे थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगरपालिका अल्मोड़ा के मेयर अजय वर्मा ने की।

एक माह में पार्किंग शुरू नहीं हुई तो कांग्रेस करेगी आंदोलन

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा एक साल पूर्व अल्मोड़ा में दो पार्किंगों का उद्घाटन किया गया था, लेकिन एक साल बीतने के बाद भी जिला प्रशासन इन पार्किंगों को शुरू नहीं कर पाया है। इन पार्किंगों में एक टैक्सी स्टैंड के पास और दूसरी भैरव मंदिर के पास स्थित है। पार्किंग शुरू न होने के कारण अल्मोड़ा में बार-बार जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। भूपेंद्र सिंह भोज ने जिला प्रशासन से स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या मुख्यमंत्री द्वारा अधूरी पार्किंग का उद्घाटन किया गया था, या फिर सरकार ने केवल झूठी वाहवाही लूटने के लिए अधूरी पार्किंग का उद्घाटन कर दिया। उन्होंने पूछा कि आखिर किन कारणों से अभी तक इन पार्किंगों को सुचारू रूप से संचालित नहीं किया जा सका। भैरव मंदिर के पास बनी पार्किंग की स्थिति और भी गंभीर है। वहां दोपहिया वाहनों के लिए जाने का कोई रास्ता नहीं बनाया गया है और गलत नक्शे पर करोड़ों रुपए खर्च कर पार्किंग बना दी गई है। आशंका है कि इस पार्किंग को कुछ रसूखदार लोगों को देकर वहां दुकानें और गोदाम बनाने की तैयारी हो रही है, जिससे करोड़ों रुपए का दुरुपयोग हुआ है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने मांग की है कि सरकार को उन अधिकारियों से वसूली करनी चाहिए, जिन्होंने राज्य को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया है। इसके साथ ही, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया जाना चाहिए और राजस्व की जो हानि हुई है, उसकी भरपाई संबंधित विभाग से कराई जानी चाहिए। कांग्रेस ने भाजपा से सवाल किया है कि एक साल पूर्व उद्घाटन होने के बावजूद अल्मोड़ा में पार्किंग अब तक क्यों शुरू नहीं हो पाई। भूपेंद्र सिंह भोज ने चेतावनी दी है कि यदि एक महीने के भीतर इन पार्किंगों को संचालित नहीं किया गया, तो कांग्रेस आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

इमली घाट गेट पर कनेक्शन कटने से फंसे सैकड़ों खनन वाहन

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। शांतिपुरी इमली घाट के सरकारी उप खनिज निकासी गेट पर वन विभाग द्वारा वन निगम के मीटर से कांटा डालकर चोरी की बिजली से सिस्टम चलाया जा रहा था। शुक्रवार को इसका विरोध कर निगम के ठेकेदार ने चोरी की तार हटवा दी। इससे वहां उप खनिज की तौल को लगाए गए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम ठप पड़ने के कारण निकासी बंद हो गई और सैकड़ों वाहन घंटों गौला नदी में फंसे रहे। इसके बाद उच्च स्तरीय अधिकारियों की मध्यस्थता के बाद बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था कर नदी में फंसे करीब 300 वाहन बाहर निकाले गए।

गेट इंचार्ज जगदीश चंद्र जोशी ने बताया कि वन विभाग द्वारा करीब एक वर्ष से बिजली बिल नहीं भरने के कारण लगभग 45 हजार का बकाया हो गया है। इसके चलते एक माह पहले ऊर्जा निगम की टीम ने वन विभाग का बिजली कनेक्शन काट दिया था। इसके बाद से वन निगम के मीटर से ही कांटा डालकर सारा सिस्टम चल रहा था। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे निगम के ठेकेदार ने इसका विरोध कर तार हटवा दी। इससे यहां सिस्टम ठप हो गए। इससे उप खनिज की निकासी बंद हो गई और सैकड़ों वाहन नदी में ही फंस गए। दोपहर करीब डेढ़ बजे उच्चस्तरीय अधिकारियों की मध्यस्थता के बाद बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। इसके बाद सिस्टम शुरू हुए और खनिज वाहनों की निकासी शुरू हो सकी। बाद में करीब 300 वाहन नदी से निकाले जा सके। इस दौरान गेट पर प्रवीन रौतेला, नरेंद्र बिष्ट, तारेश राठौर, मनोज दानू, राजू कोरंगा, हीरा सिंह रौतेला, मनोज खोलिया, नरेंद्र कोरंगा, गंगा सिंह मेहता, राजू राणा, नवीन जोशी, नंदन सिंह देउपा, मयंक तिवारी, कपिल रावत व इन्दर सिंह समेत बड़ी संख्या में वाहन स्वामी मौजूद रहे।

चंदन सिंह अधिकारी, रेंजर गौला का कहना है कि फिलहाल उच्च अधिकारियों की मध्यस्थता के बाद समस्या का हल निकाला गया है। विभाग के पास फंड की कमी होने के कारण बिल जमा नहीं हो पाया है। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है। जैसे ही फंड की व्यवस्था होगी, बिजली का बिल भर दिया जाएगा। कविंदर कोरंगा, अध्यक्ष, इमली घाट वाहन यूनियन का कहना है कि करोड़ों का राजस्व वसूली करने वाला वन विभाग खुद ही बिजली चोरी कर रहा है। इसका खामियाजा घंटों नदी में फंसकर हम वाहन स्वामियों को भुगतना पड़ा है, जोकि शर्मनाक बात है। विभाग को गेट पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं प्राथमिकता से पूरी करनी चाहिए।

वहीं पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर अराजकता फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिले भर में चलाए गए अभियान के दौरान बीते रोज 54 लोग नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए। पुलिस ने उनका चालान काटा है। एसपी रेखा यादव ने आमजन से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, हिदायत दी है।

थरकोट बालाकोट स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई

पिथौरागढ। थरकोट बालाकोट के अटल उत्कृष्ट जीआईसी विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। प्रधानाचार्य बीसी पाठक ने बताया कि सीनियर वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता में हिमांशु, जिया, अंशिका और विजय और जूनियर वर्ग में हेमलता, दीपांशु, योगेश ने बाजी मारी। निबंध प्रतियोगिता में रोशन, पूनम, विनीता ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाया। स्लोगन लेखन में हेमलता, गरिमा, वर्षा ने शानदार प्रदर्शन किया। भाषण में अंशिका धोनी, सोनम सामंत, कुणाल कार्की अव्वल रहे। इस दौरान प्रवक्ता राजेंद्र पांडेय, प्रवक्ता दीपा बनकोटी, प्रवक्ता अनिल कुमार, राजेंद्र जोशी, संजय जोशी, लक्ष्मी भट्ट, लक्ष्मी दत्त भट्ट आदि मौजूद रहे।

श्री अन्न फसलों की उन्नत खेती विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग में 24, 25 फरवरी को श्री अन्न मिलेट्स, फसलों की उन्नत खेती विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उप कृषि निदेशक कासगंज, कृषि विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित किया गया, जिसका उद्देश्य किसानो को श्री अन्न तकनीकों से अवगत करवाना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य के कासगंज जनपद से 21 कृषकों व 4 विभागीय कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को श्री अन्न मिलेट्स से सम्बंधित नवीनतम तकनीकों जैसे उच्च उपजशील प्रजातियों, उन्नत सस्य विधियाँ, मूल्यवध न फसल संरक्षण तथा कटाई उपरांत प्रसंस्करण के बारें में व्याख्यानों एवं भ्रमणों के माध्यम से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर डा. दिनेश चन्द्र जोशी, प्रशिक्षण समन्वयक द्वारा किसानों को संबोधित किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि श्री अन्न अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण पोषण सुरक्षा की पूर्ति करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन के संभावित खतरों का सामना करने में भी सक्षम हैं। इसके साथ ही डा. उत्कर्ष कुमार, प्रशिक्षण समन्वयक द्वारा भी किसानों को संबोधित किया गया। इसके अतिरिक्त समापन समारोह में किसानों को संस्थान द्वारा विकसित मंडुवे की नवीनतम प्रजाति वी.एल 400 के बीज भी वितरित किये गए। इस अवसर पर किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किये।

वहीं वनाग्नि की रोकथाम को लेकर मूनाकोट में शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय बैठक हुई। इसमें वनाग्नि के दौरान रिस्पांस टाइम कम करने और जनसमुदाय के साथ भागीदारी कर घटना की रोकथाम पर बल दिया गया। मूनाकोट ब्लॉक में वनाग्नि रोकथाम को लेकर हुई बैठक में ग्राम प्रधान, सरपंच, राजस्व विभाग, पुलिस, आशा कार्यकर्ता, अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फाल्गुन में बसंत का सौंदर्य: पतझड़ के बीच नवजीवन की आहट

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। फाल्गुन महीने की शुरुआत के साथ ही बसंत ऋतु अपने चरम पर पहुंच गई है। मौसम में सुहावने बदलाव देखे जा सकते हैं। हल्की ठंडी हवा के झोंके, खिले हुए फूल और वृक्षों पर नई कोपलों की आमद। हालांकि, इसी के साथ पतझड़ का दृश्य भी मनमोहक बन पड़ा है। वृक्षों से झड़ते पुराने पत्ते नई हरियाली का संकेत दे रहे हैं। पतझड़ के चलते सड़कों और बागों में पत्तों की रंग-बिरंगी चादर बिछ गई है, जो बसंत के सौंदर्य को और भी आकर्षक बना रही है। हवा के झोंकों के साथ उड़ते सूखे पत्ते मानो धरती को प्रकृति के इस परिवर्तन का संदेश सुना रहे हों। विशेषज्ञों के अनुसार यह ऋतु पर्यावरण के संतुलन का प्रतीक है। पुराने पत्ते झड़कर वृक्षों को नया जीवन देते हैं, जिससे प्रकृति एक नए चक्र में प्रवेश करती है। यह बदलाव केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि फाल्गुन का महीना होली और बसंतोत्सव जैसे त्योहारों की आहट भी लेकर आता है। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेंगे, यह पतझड़ समाप्त होगा और हरियाली फिर से लौटेगी। प्रकृति का यह चक्र हर वर्ष हमें नवजीवन और सकारात्मकता का संदेश देता है।

ई-रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। गुरुवार रात आदर्श कॉलोनी चौकी क्षेत्र में एक ई रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गढ़ढा कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय सुमित पाल ई-रिक्शा चलाक था। गुरुवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि आदर्श कॉलोनी चौकी क्षेत्र में एक युवक बेहोश अवस्था पर पड़ा हुआ मिला। जिसको उसके परिजन दो निजी अस्पताल के बाद जिला अस्पताल लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुमित के ममेरे भाई राजकुमार ने बताया कि सुमित का मोहल्ले की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जो युवती के भाई को पता चल गया। इसके चलते युवती के भाई ने गुरुवार सुबह सुमित को जान से मारने की धमकी दी थी। आरोप है कि उसे युवक ने सुमित को जहरीला इंजेक्शन लगाकर हत्या कर दी। वही एसएसआई ललित मोहन रावल ने बताया कि जहरीला पदार्थ से से युवक की मृत्यु हुई है। पुलिस परिजनों के ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है।

संदिग्ध अवस्था में वृद्ध का शव मिला-पुराना अस्पताल रोड पर संदिग्ध अवस्था में एक वृद्ध का शव मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली कि पुराना अस्पताल के निकट एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अचेत व्यक्ति को सीएचसी ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 50 वर्षीय उमेश कश्यप पुत्र मथुरा कश्यप निवासी धाधा फार्म किच्छा के रूप में की गई। एसआई मनोज कुमार ने बताया कि जानकारी में आया है कि उमेश काफी शराब पीता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

ठण्ड के बावजूद रक्तदाताओं ने दिखाई हिम्मत, किया रक्तदान

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। स्वामी विवेकानंद मिशन हॉस्पिटल, पेटशाल में वरिष्ठ नेत्र सर्जन एवं रेडक्रॉस सोसाइटी अल्मोड़ा के सक्रिय सदस्य डॉ. जे. सी. दुर्गापाल के प्रयासों से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. सी. पंत, विवेकानंद अस्पताल के डॉ. सुशील बलूनी और जमन सिंह देवड़ी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता किशन गुरुरानी ने की, जबकि संचालन चिकित्सालय के प्रबंधक हरीश जोशी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुशील बलूनी ने श्नर सेवा नारायण सेवाश का आह्वान किया और रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया। शिविर में राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा के रक्त केंद्र प्रभारी डॉ. आशीष जैन के नेतृत्व में एमएसडब्ल्यूओ हेम बहुगुणा, डॉ. करन सिंह, भास्कर पांडे, शिवानी और कमलेश कुमार ने रक्तदान में सहयोग किया। कड़ाके की ठंड के बावजूद क्षेत्र के 20 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रीति पंत, सूरज गोस्वामी, नरेंद्र, श्वेता, भुवन पेटशाली, भुवन लाल आदि भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

परम नागरिक

शनिवार, 1 मार्च, 2025

रेसीप्रोकल टैरिफ से भारत भी प्रभावित

एसएंडपी की आकलन रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो ट्रंप प्रशासन के इस कदम से सारी दुनिया प्रभावित होगी, लेकिन एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। इन देशों में भारत भी एक है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क (रेसीप्रोकल टैरिफ) से जो देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, उनमें भारत भी है। एसएंडपी की आकलन रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो ट्रंप प्रशासन के इस कदम से सारी दुनिया प्रभावित होगी, लेकिन एशिया- प्रशांत क्षेत्र के देशों को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। वियतनाम, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका से अधिक जुड़ी हुई हैं। भारत और जापान की घरेलू अर्थव्यवस्थाएं अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं, इससे ये दोनों एक हद तक ट्रंप के टैरिफ की मार को झेल जाएंगे। मगर दोनों देशों के लिए अमेरिका वह स्थल है, जहां उनके निर्यात की बड़ी मात्रा जाती है। जिन चंद बड़े देशों के साथ कारोबार में भारत व्यापार लाभ की स्थिति में है, उनमें अमेरिका प्रमुख है। वरना, चीन और रूस जैसे देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ता चला गया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष में फरवरी तक चीन से भारत 101 बिलियन डॉलर का आयात कर चुका होगा, जबकि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक भारत से चीन को हुआ कल निर्यात 14.85 बिलियन डॉलर का ही था। साल भर पहले से तुलना करें, तो इसमें डेढ़ बिलियन डॉलर से भी कम की बढ़ोतरी हुई। ऐसे में अमेरिकी बाजार से होने वाले व्यापार लाभ का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान है। अब ट्रंप ने समान मात्रा में आयात शुल्क लगाने का फैसला कर इस लाभ को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाया है। आशंका है कि इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तु एवं सेवाएं महंगी हो जाएंगी, नतीजतन इनका उपभोग वहां घट सकता है। इससे निर्यात में गिरावट आएगी। डब्लूटीओ नियमों के तहत विकासशील देश होने के नाते भारतीय निर्यात को विशेष सुविधा मिली रही है। मगर ट्रंप किसी अंतरराष्ट्रीय नियम को नहीं मानते। बहरहाल, यह सिर्फ अफसोस करने का मुद्दा नहीं है। बल्कि यह एक अवसर भी हो सकता है, अगर सबक लेते हुए अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी जाए। क्या भारत सरकार और यहां के निजी क्षेत्र में ऐसा करने की बौद्धिक क्षमता एवं साहस है?

निवेश के लिए विदेश यात्रा का ऑडिट जरूरी

प्रभु चावला

नेटवर्क अब भारतीय राजनीतिक वर्ग की कुल संपत्ति है। अधिकाधिक लाभ प्राप्त करना केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों का सबसे लोकप्रिय जुनून है। प्रत्येक वर्ष की शुरुआत नेताओं द्वारा स्विट्जरलैंड के अत्यधिक महंगे स्की शहर दावोस की ओर बढ़ने से होती है, जहां अरबपति पैसों के जरिये देशों की नीति तय करने के लिए इकट्ठा होते हैं। हमारे राजनेता राजनीतिक पहचान के आधार पर विभाजित हो सकते हैं, परंतु वे विकास के नाम पर अपने राज्यों के लिए विदेशी धन प्राप्त करने के नाम पर एकजुट रहते हैं।

पिछले सप्ताह, पांच केंद्रीय मंत्रियों और तीन मुख्यमंत्रियों को, 100 से अधिक बाबुओं के साथ विश्व आर्थिक मंच जैसे लाभकारी मंच पर वैश्विक दिग्गजों के साथ बातचीत करते हुए, आर्थिक लाभ के लिए पैरवी करते हुए देखा गया था। इन यात्राओं की लागत लगभग 50 लाख रुपये प्रति व्यक्ति थी। दावोस उनका एकमात्र पड़ाव नहीं है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से, वे, उनके मंत्री और भाजपा के मुख्यमंत्री, अन्य दलों के अपने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी समकक्षों के साथ, निवेश को आकर्षित करने के लिए लगातार विश्व की तिजोरी का इस्तेमाल कर रहे हैं। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, विदेशी पूंजी को लुभाने वाले सबसे सक्रिय मुख्यमंत्रियों में से एक थे। शायद ही कोई मुख्यमंत्री होगा, जिसने अपने राज्य को पैसा कमाने वाले बाजार के रूप में पेश करके मित्रवत सरकारों को लुभाया न हो। यहां कुछ हालिया भ्रमणों पर एक नजर डालते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में चार बार दावोस जाने वाले देवेंद्र फडणवीस का ज्यूरिख हवाई अड्डे पर भारतीय राजदूत द्वारा स्वागत किया गया, उन्होंने अपने चौथे दिन का जश्न एक्स पर एक शानदार पोस्ट के साथ मनाया- 'यह 22 जनवरी है, एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन।

एक दिन में 6। 25 लाख करोड़ रुपये का एमओयू (समझौता ज्ञापन), पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र की विकास क्षमता में अटूट विश्वास को दर्शाते हैं।' पिछले वर्ष, उनके पूर्ववर्ती एकनाथ शिंदे ने स्की रिजॉर्ट की अपनी पहली यात्रा को लेकर दावा किया था कि 3,53,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये थे। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने स्वास्थ्य तकनीक और वित्तीय सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए 2022 में डब्ल्यूइएफ में भाग लिया था। तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी तो मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के चार महीने बाद से ही निवेश की तलाश में विश्व भ्रमण करने लगे हैं। यूरोप के उनके नवीनतम प्रवास में दावोस भी शामिल था। उन्होंने 40,000 करोड़ रुपये के नये निवेश सौदों पर हस्ताक्षर किये। इससे पहले जनवरी में, रेड्डी की टीम ने 31,500 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करते हुए अपना पहला आधिकारिक अमेरिकी दौरा पूरा किया था। इसके बाद रेड्डी दक्षिण कोरिया चले गये, जहां कंपनियों ने 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किये।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आमतौर पर विदेशी दौरे से बचती हैं। हालांकि, मार्च 2024 में उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र में साझेदारी की तलाश में स्पेन का दौरा किया था। मई 2024 में वह भारतीय प्रवासियों और रियल एस्टेट और वित्त क्षेत्रों में संभावित निवेशकों के साथ बातचीत के लिए दुबई गयी थीं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अपनी आधिकारिक उड़ान पर अप्रैल 2024 में जापान गये थे। उनकी यह यात्रा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को बढ़ावा देने, ऑटोमोटिव क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट शहरों में जापानी निवेश को आकर्षित करने के लिए थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'गेट एफडीआइ' अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान रक्षा, बुनियादी ढांचे और शिक्षा में संभावित निवेश का पता लगाने के लिए मार्च 2024 में ब्रिटेन का दौरा किया था।

उन्होंने व्यवसायियों से मिलने और लॉजिस्टिक्स तथा पर्यटन के क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा करने के लिए मई 2024 में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की थी। ओडिशा के मुख्यमंत्री, मोहन चरण माझी अपने कार्यकाल के एक वर्ष से भी कम समय में, अपने राज्य में सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और जहाज रीसाइक्लिंग से लेकर कंटेनर विनिर्माण तक के क्षेत्रों में निवेश हासिल करने के लिए नवंबर 2024 में सिंगापुर गये, उन्होंने बंदरगाह से जुड़े औद्योगिक विकास के लिए निधियों की भी मांग की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, नवंबर 2024 में अपनी पहली विदेशी यात्रा के दौरान इंग्लैंड और जर्मनी गये थे। अपने सात दिवसीय व्यस्त दौरे के दौरान विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों से 78,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव मिलने का दावा किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, अगस्त 2024 में अमेरिका में 17 दिन बिताये और संभावित निवेशकों और वहां रहने वाले तमिलनाडु के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात की। वापसी पर घोषणा की कि विभिन्न अमेरिकी संस्थाओं के साथ 7,618 करोड़ रुपये के 19 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान में निवेश के लिए 2024 में जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और ब्रिटेन का दौरा किया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, इस महीने टोक्यो और सियोल में थे, जिसका लक्ष्य असम समिट के लिए निवेश को लुभाना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, जो 1995 से लगातार दावोस जाते रहे हैं, शिखर सम्मेलन में उनकी हाइ-प्रोफाइल उपस्थिति इस वर्ष भी आकर्षण का केंद्र थी। उन्होंने कोका-कोला, एलजी, कार्ल्सबर्ग और सिस्को के सीइओ और चेयरपर्सन के साथ बैठकें कीं। मुख्यमंत्रियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रयास ज्यादातर भाजपा शासित राज्यों से थे, जिनका मिशन मोदीप्लोमेसी और मोदीनॉमिक्स को बढ़ावा देना था। हालांकि सभी उद्देश्य तुरंत पूरे नहीं हुए हैं, पर इन उच्च स्तरीय, विशिष्ट यात्राओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय राज्यों की ब्रांडिंग करने और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी आर्थिक क्षमता को उजागर करने का महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा हो सकता है।

अनौपचारिक अनुमान के अनुसार, विभिन्न मुख्यमंत्रियों ने दावा किया है कि पिछले 10 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये हैं। पर उस राशि का कितना हिस्सा राज्यों को मिला, यह अटकल का विषय है। ऐसे में केंद्र और राज्य दोनों को सार्वजनिक खर्च पर की गयी सभी यात्राओं के परिणामों का पूरा हिसाब-किताब करना चाहिए।

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

सनत जैन

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। रैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेंट में रणवीर इलाहाबदिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है।

सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रहीं सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। इस समय सुप्रीम कोर्ट में रणवीर इलाहाबदिया की अवैध टिप्पणियों को लेकर जन मानस में रोष है। सुप्रीम कोर्ट भी नाराज है। ऐसी स्थिति मे सरकार जो कानून बनाने जा रही है, उसके बारे में कहा जा रहा है कि सरकार सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए, इस तरह के प्रावधान लेकर आ रही है। जिसमें नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सरकार के नियम और कानूनो के अधीन हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम नागरिकों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की मर्जी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वही उपलब्ध हो जो सरकार चाहती है। बहरहाल इस बार रणवीर इलाहाबादियां ने डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करने के लिए सरकार के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है। सरकार को लगता है कि इस बार डिजिटल बिल को लेकर न्याय पालिका का संरक्षण सरकार को मिलेगा। जिस तरह से मैन स्ट्रीम मीडिया में सरकार के खिलाफ कुछ भी उजागर नहीं किया जाता है। मेन स्ट्रीम मीडिया पर सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण कर चुकी है। वही स्थिति आगे चलकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की ना हो जाए। यह आशंका गहराने लगी है। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर जो वीडियो दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ के हैं, उन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति का आधार बनाकर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार जो नया कानून लाने जा रही है। उसके लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है। हुआ- हुआ, या कौवा कान ले गया, के चक्कर में कहीं हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त न हो जाए। इस बात पर ध्यान रखने और सजग रहने की जरूरत है।

गतांक से आगे...

महाकुंभ : सम्पन्न हुआ एकता का महायज्ञ

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों-मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नए दिशा-निर्देश मिलते थे। इसके बाद हर 6 वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा होती थी। 12 पूर्णकुंभ होते-होते, यानि 144 साल के अंतराल पर जो दिशा-निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नए सिरे से नई परंपराओं को गढ़ा जाता था।

144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का।

जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है।

आज मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किए हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है।

भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगाई थी। विवेकानंद हों या श्री ऑरोबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था। इसकी अनुभूति गांधी जी ने भी आजादी के आंदोलन के समय की थी। आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है।

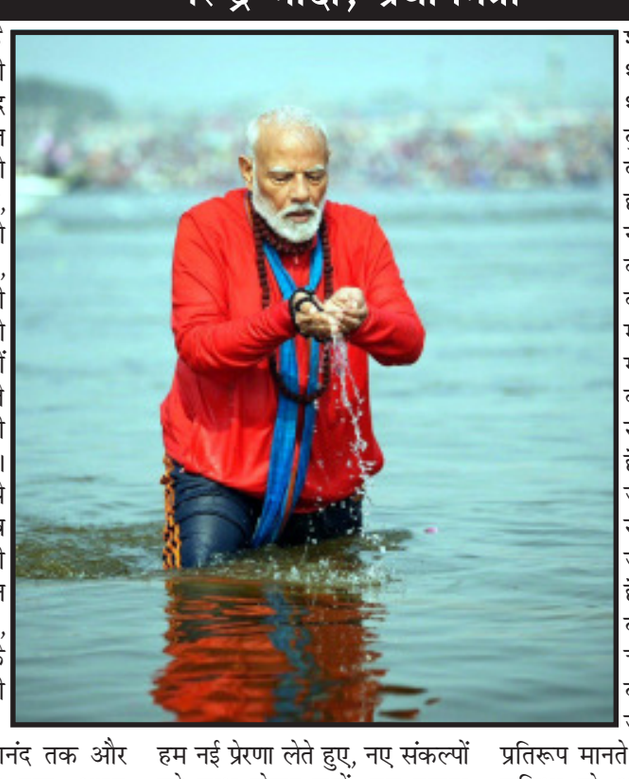

वेद से विवेकानंद तक और उपनिषद से उपग्रह तक, भारत की महान परंपराओं ने इस राष्ट्र को गढ़ा है। मेरी कामना है, एक नागरिक के नाते, अनन्य भक्ति भाव से, अपने पूर्वजों का, हमारे ऋषियों-मुनियों का पुण्य स्मरण करते हुए, एकता के महाकुंभ से हम नई प्रेरणा लेते हुए, नए संकल्पों को साथ लेकर चलें। हम एकता के महामंत्र को जीवन मंत्र बनाएं, देश सेवा में ही देव सेवा, जीव सेवा में ही शिव सेवा के भाव से स्वयं को समर्पित करें।

जब मैं काशी चुनाव के लिए गया था, तो मेरे अंतरमन के भाव शब्दों में प्रकट हुए थे, और मैंने कहा था- मां गंगा ने मुझे बुलाया है। इसमें एक दायित्व बोध भी था, हमारी मां स्वरूपा नदियों की पवित्रता को लेकर, स्वच्छता को लेकर। प्रयागराज में भी गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम पर मेरा ये संकल्प और दृढ़ हुआ है। गंगा जी, यमुना जी, हमारी नदियों की स्वच्छता हमारी जीवन यात्रा से जुड़ी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि नदी चाहे छोटी हो या बड़ी, हर नदी को जीवनदायिनी मां का प्रतिरूप मानते हुए हम अपने यहां सुविधा के अनुसार, नदी उत्सव जरूर मनाएं।

ये एकता का महाकुंभ हमें इस बात की प्रेरणा देकर गया है कि हम अपनी नदियों को निरंतर स्वच्छ रखें, इस अभियान को निरंतर मजबूत करते रहें।

मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से...मां यमुना से...मां सरस्वती से...हे मां हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा...। जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं।

श्रद्धा से भरे जो करोड़ों लोग प्रयाग पहुँचकर इस एकता के महाकुंभ का हिस्सा बने, उनकी सेवा का दायित्व भी श्रद्धा के सामर्थ्य से ही पूरा हुआ है। यूपी का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुंभ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था।

हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुंभ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, यूपी की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।

महाकुंभ के दृश्यों को देखकर, बहुत प्रारंभ से ही मेरे मन में जो भाव जगे, जो पिछले 45 दिनों में और अधिक पुष्ट हुए हैं, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मेरी आस्था, अनेक गुना मजबूत हुई है। 140 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह प्रयागराज में एकता के महाकुंभ को आज के विश्व की एक महान पहचान बना दिया, वो अद्भुत है।

देशवासियों के इस परिश्रम से, उनके प्रयास से, उनके संकल्प से अभीभूत मैं जल्द ही द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ के दर्शन करने जाऊंगा और श्रद्धा रूपी संकल्प पुष्प को समर्पित करते हुए हर भारतीय के लिए प्रार्थना करूंगा।

महाकुंभ का स्थूल स्वरूप महाशिवरात्रि को पूर्णता प्राप्त कर गया है। लेकिन मुझे विश्वास है, मां गंगा की अविरल धारा की तरह, महाकुंभ की आध्यात्मिक चेतना की धारा और एकता की धारा निरंतर बहती रहेगी।

(भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ब्लॉग स)

खाली पेट फल खाने के फायदे हैं या नुकसान?

खाली पेट फल खाने को लेकर कई तरह की धारणाएं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि इससे शरीर को पोषण मिलता है, जबकि कुछ लोग इसे हानिकारक मानते हैं।इस लेख में हम इन धारणाओं का विश्लेषण करेंगे और जानेंगे कि खाली पेट फल खाना सही है या नहीं। हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सही निर्णय ले सकें।इसके अलावा, हम यह भी जानेंगे कि कब खाली पेट फल खाना फायदेमंद होता है।

खाली पेट फल खाने से पाचन बेहतर होता है?

कई लोग मानते हैं कि खाली पेट फल खाने से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह पूरी तरह सही नहीं है।फलों में फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि इन्हें खाली पेट खाया जाए।अगर आप पहले से ही किसी गैस्ट्रिक समस्या से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट फल खाना आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

क्या सुबह-सुबह केवल फल खाना वजन घटाने में मदद करता है?

वजन घटाने के लिए कई लोग सुबह-सुबह खाली पेट फल खाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि फलों में कैलोरी कम होती है और ये विटामिन और मिनरल का अच्छा स्रोत होते हैं।हालांकि, केवल फलों पर निर्भर रहना संतुलित डाइट नहीं मानी जा सकती। वजन घटाने के लिए प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और वसा का संतुलन भी जरूरी होता है, ताकि शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें और ऊर्जा बनी रहे।

क्या खाली पेट खट्टे फल खाना सुरक्षित है?

नींबू और संतरे जैसे खट्टे फलों को लेकर धारणा बनी हुई है कि इन्हें खाली पेट खाने से एसिडिटी बढ़ सकती है।हालांकि, यह सभी लोगों पर लागू नहीं होता। अगर आपका पाचन तंत्र मजबूत है तो आप इन्हें बिना किसी चिंता के खा सकते हैं। वहीं, जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है, उन्हें इनका सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है।अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए खाली पेट खट्टे फल खाएं।

क्या रात को सोने से पहले फल खाना सही होता है?

रात को सोने से पहले हल्का भोजन करना अच्छा माना जाता है, ताकि नींद अच्छी आए और पाचन भी ठीक रहे।ऐसे में कुछ लोग रात को सोने से पहले सिर्फ फल खाते हैं, जो एक स्वस्थ विकल्प हो सकता है।ज्यादा मात्रा में फ्रक्टोज लेने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, इसलिए फलों का सेवन संतुलित मात्रा में ही करें।इससे नींद भी अच्छी आएगी और पाचन तंत्र भी ठीक रहेगा।

पानी पीने के बाद भी लगी रहती है प्यास?

क्या पानी पीने के बावजूद आपकी प्यास नहीं बुझ रही, बार-बार प्यास लगी रहती है, हाइड्रेशन महसूस होता रहता है. अगर ऐसा है, तो ये सामान्य नहीं बल्कि किसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है, प्यास लगना सामान्य होता है, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो ये शरीर में कुछ गड़बड़ होने का संकेत हो सकता है. आइए जानते हैं कि पानी पीने के बाद भी प्यास लगने से किन-किन बीमारियों का खतरा होता है...

पानी पीने के बाद बार-बार क्यों लगती है प्यास

1. पॉलीडिप्सिया

पानी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है. प्यास लगना एक नॉर्मल प्रक्रिया है लेकिन अगर बार-बार प्यास लग रही है तो ये पॉलीडिप्सिया की कंडीशन हो सकता है.पॉलीडिप्सिया में प्यास कई दिनों, हफ्तों या महीनों तक काफी ज्यादा बनी रह सकती है. इसमें पानी पीने के बावजूद प्यास बुझती नहीं है.

2. डायबिटीज इन्सिपिडस

डायबिटीज इन्सिपिडस की समस्या में भी प्यास बार-बार लगती रहती है. पानी पीने के बावजूद प्यास महसूस होती रहती है. इस बीमारी में किडनी और इससे जुड़ी ग्रंथियों के साथ ही हार्मोन भी प्रभावित होते है. इसकी वजह से यूरीन ज्यादा निकल सकता है. जिसकी वजह से बार-बार प्यास लग सकती है.

3. हाइपोकैलिमिया

जब खून में पोटैशियम की मात्रा सामान्य से कम हो जाती है तो हाइपोकैलिमिया की कंडीशन होती है. इसके मरीजों को बार-बार और ज्यादा प्यास लगती है. उल्टी-दस्त, कुछ दवाओं को खाने से पोटैशियम का लेवल प्रभावित हो सकता है. अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहती है तो ज्यादा प्यास लग सकती है.

सीपीआर से कम हो सकती हैं हार्ट अटैक से होने वाली मौतें

दिल की बीमारी (कार्डियोवस्कुलर) रोग के शिकार रहे पुरुषों को सेक्स के दौरान या उसके बाद अचानक कार्डिएक अरेस्ट (हार्ट अटैक) होने का खतरा बढ़ जाता है।एक अध्ययन में पता चला है कि कार्डियोवस्कुलर रोग के शिकार रहे पुरुषों को सेक्स के दौरान या उसके बाद अचानक कार्डिएक अरेस्ट (हार्ट अटैक) होने का जोखिम हो सकता है। अचानक कार्डिएक अरेस्ट (एससीए) में दिल एकाएक धड़कना बंद कर देता है और ऐसा बिना किसी चेतावनी के होता है। इस शोध के निष्कर्षो से पता चला कि एससीए की घटनाएं काफी दुर्लभ है, लेकिन इसमें पीड़ित के जीवित रहने की संभावनाएं काफी कम होती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति का सहयोगी तुरंत उसे सीपीआर (फुफुसीय पुर्नजीवन) दे पाने में नाकाम रहता है। वहीं सीपीआर देकर ज्यादा से ज्यादा जानें बचाई जा सकती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि एससीए के कुछ मामलों में यौन गतिविधियों के बाद कोई दवाई, उत्तेजक पदार्थ या अल्कोहल के प्रयोग की भी अहम भूमिका हो सकती है। शोध के निष्कर्षो से पता चलता है कि लोगों को एससीए के दौरान सीपीआर देने के लिए शिक्षित करने की जरूरत है। इससे बढ़ी तादाद में जान बचायी जा सकती है। जागरुकता की कमी भी इसका एक कारण है।

लंबे जीवन के लिए करें व्यायाम

आजकल व्यस्तता के कारण हम व्यायाम नहीं कर पाते हैं पर अगर एक बार आप इसके लाभ जान गयी तो इससे दूर नहीं रह पाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर कोई भी व्यक्ति दिन में महज 21 मिनट तक व्यायाम करता है तो उसकी उम्र 3 साल तक बढ़ सकती है। ये अध्ययन 12 महीनों में 6,600 हजार लोगों पर किया गया है, जो दिन में 21 मिनट और हफ्ते में 150 मिनट का समय व्यायाम को देते हैं। वहीं, स्टडी के बाद 3 साल की जिंदगी बढ़ने की उम्मीद पाई गई। शोधकर्ताओं ने युवाओं पर रिसर्च कर पाया कि अगर रोजाना 60 से 90 मिनट तक चला जाए तो 2. 4 साल से 2.7 साल तक का जीवन बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं ने रिसर्च से पहले और बाद में हर प्रतिभागी का बिहेवियर पर नजर रखी। जहां उन्होंने पाया कि समय की वजह (31 फीसदी), लागत (21फीसदी) और खुशी ना होने के कारण (1 9फीसदी) प्रतिभागी व्यायाम नहीं करना चाहते। इस सर्वे का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति छोटे - छोटे काम के जरिए व्यायाम कर अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं।

तेज भूख में गुस्सा आना समाव्य

आम तौर पर पाया जाता है कि तेज भूख लगने पर किसी का भी मूड बदल जाता है और उसे गुस्सा आने लगता है? अगर ऐसा है तो इसमें आपका कोई दोष नहीं है, क्योंकि गुस्सा, व्याकुलता और झुंझलाहट भूख के सबसे आम कारणों में से एक हैं। चेन्नई, कोच्चि और नई दिल्ली में भूख के लक्षणों और उसके प्रति लोगों की धारणाओं का मूल्यांकन करने के लिए सप्ताह भर का सर्वेक्षण किया गया।

एक कन्फेक्शनरी कंपनी द्वारा तीन-तीन लोगों के समूह में गहन साक्षात्कार और चर्चाओं के साथ यह सप्ताह भर तक का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण करने वाली कंपनी ने एक बयान में कहा कि सभी उत्तरदाताओं ने सहमति जताई कि भूख के दौरान उनके व्यवहार में परिवर्तन आता है और वे अजीब व अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।

सर्वेक्षण में शामिल उत्तरदाताओं ने कहा कि जब उन्हें भूखी लगती है, तो मस्तिष्क उन्हें एक बार में कई चीजें करने के लिए निर्देशित करता है, जिससे आखिरकार वे भ्रमित और उदासीन हो जाते हैं।

अनुसंधान के निष्कर्षों के आधार पर ब्रांड ने कई हंटर हंगर बार्स (चॉकलेट) बनाए हैं, जिनमें से हर किसी के अलग-अलग भूख के दौरान महसूस होने वाले लक्षणों को भी बताया गया है।

खाने में शामिल करें सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल किया जाना चाहिये।

सूरजमुखी के बीज का मक्खन बनाने के लिए तीन प्रमुख चीजों, सूरजमुखी के बीज, समुद्री नमक और शुगर मिलाएं। इसे और क्रीमी बनाने के लिए इसमें सूरजमुखी का तेल भी मिलाया जा सकता है।

सूजरमुखी के बीज अपने पोषण संबंधी गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। बीज में आवश्यक फैटी एसिड, विटामिन और मिनरल होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इसलिए इन्हें किसी न किसी रूप में आहार में शामिल करना जरूरी है।

भुने हुए या नमकीन सूरजमुखी के बीज एक स्वास्थ्यपरक स्नैक माने जाते हैं। पौष्टिकता बढ़ाने के लिए आप इन्हें नाश्ते के लिए बने भोजन में शामिल कर सकती हैं।

सूरजमुखी के बीज किसी भी मुख्य व्यंजन जैसे, चिकन करी, मिक्स वेजिटेबल आदि में डाले जा सकते हैं या इन्हें सलाद, पास्ता में स्वाद बढ़ाने और पौष्टिकता बढ़ाने के लिए ऊपर से डाल कर खाया सकता है।

सूरजमुखी के बीजों को किसी भी सॉफ्ट डिश जैसे स्क्रैम्बल्ड एग को कुरकुरा बनाने के लिए उसमें डाला जा सकता है.

सूरजमुखी के बीज का पाउडर या आटा केक, मफिन और ब्रेड बैटर में भी मिलाया जा सकता है। यह उनकी पौष्टिकता को बढ़ाएगा।

यह दूध और पीनट बटर का अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे ब्रेड पर लगाकर और घर पर बने सॉस में मिलाकर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। सूरजमुखी के बीजों को आप चिवड़ा में डाल सकती हैं, जो नाश्ते के लिए मसालेदार स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प होता है। ये बीज न सिर्फ चिवड़े का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि इसे स्वास्थ्यपरक आहार भी बनाते हैं. ये बीज चिवड़ा को विटामिन ई और बी-कॉम्प्लेक्स युक्त बनाते हैं। सूखे नारियल चटनी के पाउडर को कुरकुरा बनाने के लिए इसमें ये बीज मिलाए जा सकते हैं, जो फैटी एसिड, मिनरल्स और पोषक तत्व युक्त होते हैं।

सर्दियों में टूटने लगे हैं बाल तो करें मालिश, नहीं होगा नुकसान

सर्दियों का मौसम आते ही बालों की समस्याएं बढने लगती हैं. बाल टूटने, रूखे और बेजान होने लगते हैं. ऐसे में बालों की देखभाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप भी ठंड के दिनों में आप भी हेयरफॉल और अन्य प्रॉब्लम्स से परेशान हैं तो नारियल के तेल (ष्टशष्शठ्ठहवहल ह्लद्बद्य) का इस्तेमाल कर सकते हैं. इस तेल में एंटीबैक्टीरियल, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटी फंगल और एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स भी कूट-कूटकर भरे होते हैं. जिससे मालिश करने से बाल मजबूत, चमकदार और रूखे-बेजान होने से बचते हैं.

पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक सब्जी है केल, जानिए इससे बनाए जाने वाले व्यंजन

केल एक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक सब्जी है, जिसे आमतौर पर सलाद में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि केल से कई स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं?यहां हम आपको कुछ ऐसे अनोखे और लाजवाब केल से बनाए जाने वाले व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।इन व्यंजनों को बनाना आसान है और ये आपके खाने में भिन्नता भी ला सकते हैं।

केल के पकोड़े

केल के पकोड़े एक बेहतरीन स्नैक है, जो चाय के साथ अच्छे लगते हैं।इसे बनाने के लिए सबसे पहले केल की पत्तियों को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें, फिर बेसन, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और अजवाइन मिलाकर घोल तैयार करें। इस घोल में कटे हुए केल डालें और अच्छी तरह मिलाएं।अब गर्म तेल में इस मिश्रण को छोटे-छोटे भागों में डालकर सुनहरा होने तक तलें, फिर गर्मागर्म पकोड़े हरी चटनी के साथ परोसें।

केल का परांठा

केल का परांठा एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता है, जिसे आप सुबह या शाम किसी भी समय खा सकते हैं।इसे बनाने के लिए गेहूं का आटा लें और उसमें बारीक कटी हुई केल की पत्तियां, नमक, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा-सा तेल मिलाकर आटा गूंध लें।अब इस आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर बेल लें और तवे पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें, फिर गर्मागर्म परांठे को दही या अचार के साथ परोसें।

केल की सब्जी

केल की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर, अदरक-लेहसुन का पेस्ट भूनें, फिर इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालकर मसाला तैयार करें।अब इसमें बारीक कटी हुई केल की पत्तियां डालें और थोड़ी देर पकने दें।इसके बाद इसमें पानी डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक कि केल नरम न हो जाएं, फिर इसमें गरम मसाला मिलाकर इसे रोटी या चावल के साथ परोसें।

केल का रायता

अगर आप कुछ ठंडा और ताजगी भरा खाना चाहते हैं तो केल का रायता ट्राई कर सकते हैं।इसे बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें, फिर उसमें बारीक कटी हुई केल की पत्तियां, भुना हुआ जीरा, नमक और थोड़ी-सी हरी मिर्च डालें। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिला लें।आपका केल का रायता तैयार है। इसे खाने में बहुत ही स्वादिष्ट है।

केल की खिचड़ी

खिचड़ी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी केल की खिचड़ी ट्राई की?इसे बनाने के लिए मूंग दाल और चावल को धो लें।अब कुकर में घी, जीरा, हींग और हल्दी डालें, फिर इसमें मूंग दाल और चावल डालकर पानी और नमक मिलाएं। कुकर बंद करें।ठंडा होने पर इसमें बारीक कटी हुई केल की पत्तियां डालें। आपकी केले की खिचड़ी तैयार है।

राजभवन में हुआ टीबी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

संवाद सहयोगी

देहरादून। क्षय रोग (टीबी) की रोकथाम और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभवन में ''100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान'' के अंतर्गत टीबी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड के तत्वावधान से संपन्न हुआ जिसमें 73 अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों की निःशुल्क जांच की गई। इस कैंप में स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों ने जांच प्रक्रिया के दौरान टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी। 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेषकर सबसे असुरक्षित समूहों के लिए निदान और उपचार सेवाओं

को मजबूत बनाना है। इनमें 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, मधुमेह, एचआईवी और कुपोषण जैसी सह-रुग्णता से पीड़ित व्यक्ति शामिल हैं। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कैंप का निरीक्षण कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है और समय पर जांच एवं उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों से अपील की कि वे टीबी मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भाग लें और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाएं।

उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में योग महोत्सव का बड़ा योगदान

संवाद सहयोगी

देहरादून। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने एक मार्च से ऋषिकेश में शुरू होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव को न सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि समूचे विश्व के लिए अहम आयोजन बताया। कहा कि उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में योग महोत्सव का बड़ा योगदान है। महाराज ने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति और विरासत का अमूल्य हिस्सा है। उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में यह महोत्सव अहम भूमिका निभाएगा। हर साल हजारों योग साधक और विशेषज्ञ इस महोत्सव में शामिल होते हैं। इससे उत्तराखंड को विश्व योग राजधानी के रूप में और अधिक प्रतिष्ठा मिलती है। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यह आयोजन और भी भव्य और प्रभावशाली होगा। देश विदेश से योग प्रेमी, साधक और गुरु इस पावन भूमि पर एकत्रित होंगे। योग के माध्यम से मानवता को शांति, संतुलन और स्वास्थ्य का संदेश देंगे। उत्तराखंड सरकार पर्यटन और योग को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि इस महोत्सव के माध्यम से अधिक से अधिक लोग योग अपनाएं। अपने जीवन में स्वास्थ्य और सकारात्मकता लाएं। महाराज ने सभी श्रद्धालुओं और योग प्रेमियों से आग्रह किया कि वे इस अनोखे आयोजन का हिस्सा बनें और उत्तराखंड की दिव्यता का अनुभव करें।

छठे राज्य वित्त आयोग ने पांच मार्च तक मांगे सुझाव

देहरादून। छठे राज्य वित्त आयोग ने आम लोगों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। त्रिस्तरीय पंचायतों, स्थानीय निकायों के संबंध में संदर्भित विषयों पर संस्तुति करने को गठित छठे राज्य वित्त आयोग ने आम लोगों से सुझाव मांगे। आयोग के सचिव डॉ अहमद इकबाल ने बताया कि कोई भी व्यक्ति पांच मार्च तक अपने लिखित सुझाव आयोग को भेज सकता है। बिनजजंतींदक/हउंपस.बवउ पर ईमेल कर भी सुझाव भेजे जा सकते हैं। पूर्व मुख्य सचिव एन रविशंकर की अध्यक्षता में गठित आयोग को मुख्य तौर पर त्रिस्तरीय पंचायतों, स्थानीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन और आय के स्रोतों में सुधार, संगठनात्मक ठांचे के सरलीकरण पर सुझाव सौंपने हैं।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तराखण्ड का चुनाव सम्पन्न

अरुण पाण्डेय अध्यक्ष, शक्ति प्रसाद भट्ट चुने गए प्रदेश महामंत्री

नागरिक ब्यूरो

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तराखण्ड की प्रदेश कार्यकारिणी में अरुण पाण्डेय को अध्यक्ष और शक्ति प्रसाद भट्ट को महामंत्री चुना गया है। इस क्रम में बृजेश काण्डपाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष और रमेश कनवाल को सम्प्रेक्षक चुना गया है। इस चुनाव में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के घटक के रूप में ग्राम्य विकास लेखा संघ द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम्य विकास लेखा संघ के प्रदेश महामंत्री मनोज त्यागी द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन 22-23 फरवरी को राजधानी में सम्पन्न हुआ, इसमें परिषद की समस्त जिला शाखाओं और उप शाखाओं के अलावा उससे सम्बद्ध घटक संघों के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। इसी में कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि सदन की सहमति के उपरान्त पहले निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गई तदोपरान्त निर्वाचन अधिकारियों ने चुनाव कार्यक्रम सम्पन्न कराया।

अध्यक्ष पद के लिए विनोद चौहान और प्रदेश महामंत्री पद के लिए श्रीमती गुड्डी मटूडा ने भी दावेदारी की थी लेकिन नामांकन पत्र में त्रुटियां होने के कारण दोनों नामांकन निरस्त कर दिए गए थे। ग्राम्य विकास लेखा संघ ने राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तराखण्ड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए शुभकामना प्रेषित की और अपेक्षा की कि कर्मचारी हित में यह कार्यकारिणी लगातार संघर्ष करेगी।

हनोल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनेगा, महासू मंदिर का भी होगा विस्तार

नागरिक ब्यूरो

देहरादून। हनोल में महासू देवता के धाम को सुनियोजित तरीके से विकसित किया जाएगा। इसके लिए टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान तैयार किया जा रहा है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईएनआई डिजाइन कंसलटेंट कंपनी और विभागीय अधिकारियों की बैठक में हनोल टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान के कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि हनोल सिर्फ टूरिस्ट डेस्टिनेशन नहीं, हमारी आस्था का प्रतीत है। लिहाजा, इसके विकास के लिए प्रभावी प्लान बनाया जाए। वहां पर्यटकों की बढ़ती आमद के दृष्टिगत वाटर सोर्स, सीवर, घाट, सड़क निर्माणके लिए योजना बनाई जा रही है। प्रशासन की टीम मार्च में हनोल जाकर स्थानीय लोगों और तीर्थ पुरोहितों से वार्ता करेगी। उन्होंने कहा कि इससे हनोल के स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने आईएनआई डिजाइन कंस्लटेंट को निर्देश दिए कि टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान में सीवरेज और वाटर सप्लाई को भी शामिल किया जाए। उन्होंने इससे पहले अस्थायी आबादी का सर्वे करने के लिए कहा है। कहा कि सहायक सड़क मार्गों के चौड़ीकरण और विस्तारीकरण को प्लान में शामिल करें। टोंस नदी किनारे घाट तक एप्रोच रोड तैयार की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उप जिलाधिकारी चकराता योगेश मेहर, आईएनआई डिजाइन कंपनी के कंसलटेंट धर्मेश गंगाडी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सीमा नौटियाल आदि मौजूद थे।

50 % दुकानें स्थानीय लोगों के लिए होंगी आरक्षित-जिलाधिकारी ने कहा कि महासू धाम में निर्मित होने वाली दुकानों में से 50 प्रतिशत दुकानें स्थानीय लोगों, महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए आरक्षित की जाएं। ताकि स्थानीय उत्पादों के विक्रय के लिए सही बाजार मिल सके।

गांव होम स्टे के रूप में विकसित होंगे-प्लान के तहत हनोल के गांवों को होम स्टे के रूप में विकसित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को इस पर भी प्लान तैयार करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि होम स्टे पंजीकरण के लिए स्पेशल कैंप लगाकर अधिक से अधिक लोगों को होम स्टे योजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हनोल क्षेत्र से जाने वाले केदार कांठा एवं अन्य ट्रैक मार्गों को भी प्राकृतिक रूप से विकसित किया जाए।

हनोल में होंगे ये कार्य-बैठक में आईएनआई डिजाइन कंसलटेंट ने हनोल टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान का प्रेजेंटेशन दिया गया। बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महासू देवता धाम में एराइवल प्लाजा, तीर्थ पुरोहित आवास, मंदिर सौंदर्यीकरण, क्यू मैनेजमेंट, पार्किंग, एप्रोच मार्ग, धर्मशाला, पब्लिक यूटिलिटी कॉम्पलेक्स, रेन सेल्टर, आस्था पथ निर्माण आदि कार्य प्लान में शामिल किए गए है।

योग महोत्सव के जरिए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

संवाद सहयोगी

देहरादून। ऋषिकेश में आयोजित होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के जरिए योग साधकों और प्रशिक्षकों को स्वस्थ जीवनशैली का भी संदेश मिलेगा। आयोजन के दौरान योगिक डाइट उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही वैलनेस पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

गढ़वाल मण्डल विकास निगम और पर्यटन विभाग द्वारा, गंगा रिसोर्ट ऋषिकेश में 01 से 07 मार्च के बीच अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जीएमवीएन के एमडी विशाल मिश्रा ने बताया कि योग महोत्सव के अवसर पर प्रतिभागियों के लिए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और संतुलित यौगिक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। यह विशेष आहार योजना योग और आध्यात्मिकता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जिससे प्रतिभागियों को शारीरिक और मानसिक ऊर्जा प्राप्त हो सके।

महोत्सव के दौरान नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन में संतुलित और पौष्टिक आहार परोसा जाएगा, जिसमें मक्खन-दूध, अंकुरित अनाज, दलिया, परांठे, दाल-चावल, हरी सब्जियां, फल, हर्बल चाय, और पारंपरिक मिठाइयाँ शामिल हैं। यह संपूर्ण आहार शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक होगा और योग साधना में बेहतर परिणाम देने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि योग महोत्सव में आने वाले सभी प्रतिभागियों को इस सात्विक और पोषक आहार का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने यह सुनिश्चित किया है कि भोजन न केवल स्वादिष्ट हो, बल्कि सुपाच्य और स्वास्थ्यवर्धक भी हो, जिससे सभी को सकारात्मक ऊर्जा और शारीरिक स्फूर्ति प्राप्त हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उदघ्घाटन के मौके पर ही मोटापा के प्रति हम सबको सचेत किया है। मोटापा कम करने में योगाभ्यास और योगिक डाइट महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

नेशनल गेम टीम इवेंट के हर खिलाड़ी को मिलेगी नौकरी

संवाद सहयोगी

देहरादून उत्तराखंड में 38 वें राष्ट्रीय खेलों में हुए टीम इवेंट के हर खिलाड़ी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। शुक्रवार को खेल मंत्री रेखा आर्य ने अधिकारियों के साथ बैठक में पदक विजेताओं के जॉब ऑफर का प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में लाने के निर्देश दिए। कहा कि विजेताओं को खेल, युवा कल्याण समेत पुलिस विभाग में अधिकतर नियुक्तियां दी जाएंगी। बैठक में खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि उत्तराखंड के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने की कवायद शुरू कर दी गई है। उन्होंने अधिकारियों की बैठक बुला कर तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। कहा कि पदक विजेताओं के जॉब ऑफर का प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट में लाया जाएगा। इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। कहा कि राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने कुल 103 मेडल जीते हैं। इनमें से जो मेडल टीम इवेंट में आए हैं, उन टीमों के हर खिलाड़ी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इस कोटे में सरकारी नौकरी को खिलाड़ी के पास उत्तराखंड का मूल निवास या स्थाई निवास सर्टिफिकेट होना आवश्यक है। गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को 4200 ग्रेड पे, सिल्वर पर 2800 ग्रेड पे और ब्रांज मेडल जीतने पर घ्2000 ग्रेड पे वाली नौकरी दी जाएगी। बैठक में विशेष खेल सचिव अमित सिन्हा, खेल निदेशक प्रशांत आर्य समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। खेल सुविधाओं के संचालन की बनेगी नीतिः खेल मंत्री ने बताया कि सरकार ने पदक विजेताओं के लिए जो नगद इनाम राशि की घोषणा की थी, उस पर अमल की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। अधिकारियों को खिलाड़ियों की नगद इनाम राशि जल्द से जल्द सुनिश्चित कराने को निर्देश दिए। कहा कि प्रदेश में अब जितनी खेल अवस्थापनाएं, स्टेडियम, ऑडिटोरियम, मल्टीपरपज हॉल, साइकलिंग वैलोड्रोम, शूटिंग रेंज आदि तैयार हो गई हैं, उनकी देखरेख व संचालन को नीति बनाने की जरूरत है।

रमन विज्ञान सप्ताह में शिक्षकों को किया सम्मानित

हल्द्वानी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में रमन विज्ञान सप्ताह का शुक्रवार को समापन किया गया। विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और विज्ञान समन्वयकों को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो नरेंद्र सिंह भंडारी ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु पांडे, प्रदीप जोशी, उमेश जोशी, आशुतोष शाह, मीना पालीवाल, प्रमोद अधिकारी, डॉ. जेपी मुरारी, डॉ श्वेता को सम्मानित किया गया। बाल विज्ञान खोजशाला के संस्थापक आशुतोष उपाध्याय ने सीवी रमन के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी साझा की। मुख्य अतिथि प्रो. भंडारी में विज्ञान दिवस का आयोजन पर वैज्ञानिक चिंतन करने की बात कही।

छोटे छोटे प्रयासों ऊर्जा संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण

संवाद सहयोगी

देहरादून। उत्तराखंड में सक्षम 2024-25 के राज्य स्तरीय समन्वयक(एसएलसी) के रूप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) में शुक्रवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें तेल विपणन कंपनियों की ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया गया। सक्षम का आयोजन 14 से 28 फरवरी तक पूरे देश में किया गया। जिसके तहत वॉकेथॉन, साइक्लोथॉन, समूह चर्चाएं, एलपीजी पंचायतों सहित कई गतिविधियां की गई। मुख्य अतिथि आईपीएस और विशेष खेल सचिव अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर सतत आदतों को अपनाने और ऊर्जा खपत के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि कार्यकारी निदेशक आईओसीएल यूपी हेमंत राठौड़ ऊर्जा जागरूकता अभियान, ऊर्जा दक्षता उपाय, स्वच्छ हरित भविष्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आईआईपी निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह बिष्ट ने सतत ऊर्जा समाधान प्राप्त करने में अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर जोर दिया। मौके पर तेल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता के महत्व को लेकर नुक्कड़ नाटक भी किया गया।

अंतरराष्ट्रीय कार डिजाइनर के अनुभव से छात्रों ने सीखा

संवाद सहयोगी

देहरादून। यूपीईएस स्कूल ऑफ डिजाइन ने कार डिजाइनर और ऑटोमोटिव कलाकार मौरिजियो कॉर्बी को परिसर में सप्ताह भर की कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया। कॉर्बी ऑटोमोटिव डिजाइन क्षेत्र में पहचाना नाम हैं। उन्होंने फेरारी मॉडलों को डिजाइन किया है। कार्यशाला में छात्रों को उनसे सीखने का एक बेहतरीन अवसर मिला। परिसर में उन्होंने छात्रों के साथ लाइव स्केचिंग सत्रों में भाग लिया और मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी यात्रा का दूसरा चरण 28 फरवरी को दिल्ली में होगा, जहाँ वे श्एलश्आर्ट डेलश्ऑटो - द आर्ट ऑफ ऑटोमोबाइलश् विषय पर बोलेंगे। इस कार्यक्रम में उद्योग के पेशेवर भी शामिल होंगे और ऑटोमोटिव तथा इंडस्ट्रियल डिजाइन पर चर्चा की जाएगी। यूपीईएस में अपने अनुभव पर मौरिजियो कॉर्बी ने कहा कि युवा डिजाइनरों से मिलना और उनके नए दृष्टिकोण और जोश को देखना हमेशा प्रेरणादायक होता है। उन्हें लगता है कि भारतीय डिजाइनर समस्या समाधान में बेहतरीन हैं, लेकिन उन्हें डिजाइन की कला और आनंद को अपनाने की जरूरत है। कॉर्बी ने ऑटोमोटिव स्केचिंग, अवधारणा निर्माण और डिजाइन सौंदर्यशास्त्र पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए। छात्रों ने सीखा कि कैसे जेनरेटिव एआई और 3डी प्रिंटिंग जैसी नई तकनीकें इस उद्योग को बदल रही हैं। यूपीईएस स्कूल ऑफ डिजाइन के डीन, प्रो. भास्कर भट्ट ने कहा, मौरिजियो कॉर्बी जैसे अनुभवी डिजाइनर की मेजबानी उनके लिए उपलब्धि है। छात्र पार्थ वीर ने कहा फेरारी डिजाइन करने वाले व्यक्ति से सीखना एक सपना सच होने जैसा है। उनके फीडबैक ने मुझे ऑटोमोटिव डिजाइन को देखने का एक नया दृष्टिकोण दिया है। छात्रा श्रेय विश्वकर्मा ने कहा, कॉर्बी डिजाइन के माध्यम से कहानी कहने पर जोर देते हैं।

वाटरग्रेस कंपनी से रिकवरी करेगा नगर निगम

संवाद सहयोगी

देहरादून। नगर निगम ने सैंतालीस वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा उठान की कमान संभाल ली है। शुक्रवार को वार्डों में सफाई वाहनों का संचालन शुरू हो गया। निगम ने वाटरग्रेस कंपनी से रिकवरी की तैयारी शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने मेयर और नगर आयुक्त से मांग की है कि वाटरग्रेस कंपनी के भुगतान पर रोक लगाई जाए। ताकि निगम के स्तर से उनके वेतन का भुगतान हो सके। इसके अलावा निजी ऑपरेटरों और पेट्रोल पंप संचालक से बकाया राशि की जानकारी मांगी गई है। कंपनी को जो सफाई वाहन उपलब्ध करवाए गए थे। उनमें से कई खराब हैं और कई की स्थिति मरम्मत के अभाव में बदहाल हो चुकी है। नगर निगम थर्ड पार्टी से वाहनों की स्थिति की जांच करवाएगा। खर्च की रिकवरी कंपनी के भुगतान से होगी। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वार्डों में नियमित रूप से सफाई वाहन चलवाना सुनिश्चित करें। नगर निगम ने सैंतालीस वार्डों के लोगों, शॉपिंग मॉल, दुकान समेत समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों से अपील की है कि वाटरग्रेस कंपनी के किसी भी स्टाफ कर्मचारी को कूड़ा उठान के बदले सफाई यूजर चार्ज नहीं दें। इसका भुगतान केवल अधिकृत स्वयंसहायता समूह की महिलाओं को करें,साथ ही रसीद जरूर लें। ताकि चेकिंग होने पर इसे प्रमाण के तौर पर दिखा सकें।